बहूभाषी मासिक अख़बार

RNI NO.: UPMUL/2023/90347

सदा-ए-बुलंद

हमारी क़लम इन्साफ़ तक...

शाहजहाँपुर से प्रकशित

वर्ष :03 अंकः 13 06 शाहजहाँपुर से तीनों ज़ुबानों हिन्दी, ऊर्दू, इंग्लिश एक साथ पहली बार शहजहाँपुर जनवरी 2026 पृष्ठ.8 मूल्य : 5 रूप्ये

नेशनल हाईवे-91 पर परिवार को बंधक बनाकर मां बेटी से दुष्कर्मियों को उम्रकैद

नेशनल हाईवे–91 पर परिवार को बंधक बनाकर मां बेटी से सामुहिक दुष्कर्म करने वाले 5 आरोपियों को हुई उम्रकैद

(बुलंदशहर /सदा ए बुलंद न्यूज) कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि सभ्य समाज को राक्षसों से दूर रखा जाए, जब तक जिंदा रहें, इन्हें जेल में रखा जाए बुलंदशहर हाईवे गैंगरेप केसरू 9 साल बाद मिला इंसाफ, 5 दोषियों को उम्रकैद, 9 लाख जुर्माना बुलंदशहर गैंगरेप केस में नौ साल बाद इंसाफ मिला है. कोर्ट ने मां और नाबालिग बेटी से गैंगरेप के दोषी पांचों आरोपियों को आजीवन कारावास और 1.81 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है.

यह फैसला न सिर्फ पीड़ित परिवार, बल्कि पूरे देश के लिए न्याय की अहम मिसाल बना है।

यूपी के बुलंदशहर के बहुचर्चित हाईवे गैंगरेप मामले में कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है. मुख्य पॉक्सो कोर्ट ने मां और नाबालिग बेटी के साथ हुए गैंगरेप के दोषी पांचों आरोपियों को उम्रकैद की सजा दी है. इसके साथ ही प्रत्येक आरोपी पर 1 लाख 81 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है. मुख्य पॉक्सो कोर्ट के तृतीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ओमप्रकाश ने यह फैसला सुनाया. सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता वरुण कौशिक ने बताया कि जुर्माने की कुल राशि दोनों रेप पीड़िताओं को आधी–आधी दी जाएगी. अदालत ने इसे जघन्यतम अपराध मानते हुए सख्त सजा जरूरी बताई.

- विशेष पाक्सो कोर्ट ने मामले में 9 साल बाद सुनाई सजा
- दोषियों पर 1.81–1.81 लाख जुर्माना भी लगाया गया है

अजमेर शरीफ में सरकारी चादर चढ़ाने से रुकवाने की मांग, सुप्रीम कोर्ट ने किया सिरे से खारिज

(सदा ए बुलंद न्यूज) अजमेर शरीफ में सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती रहमतुल्लाह अलैहे की दरगाह पर सालाना उर्स के दौरान प्रधानमंत्री और अन्य संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों द्वारा चादर भेजे जाने का मुद्दा अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है. अजमेर की जिला अदालत के बाद अब इस मामले में शीर्ष अदालत में जनहित याचिका दाखिल की गई है.

कौन है याचिकाकर्ता: यह जनहित याचिका विश्व वैदिक सनातन संघ के प्रमुख जितेंद्र सिंह बिसेन और हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से दाखिल की गई है. याचिका में मांग की गई है कि दरगाह पर सालाना उर्स के दौरान सरकारी स्तर पर भेजी जाने वाली चादर पर तत्काल रोक लगाई जाए. याचिकाकर्ताओं का कहना है कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों का इस तरह किसी धार्मिक स्थल से जुड़ा आयोजन सरकारी तटस्थता के सिद्धांत के खिलाफ है. उर्स में अजमेर दरगाह पर पीएम मोदी के चादर भेजने पर रोक की मांग, कोर्ट में दायर हुई याचिका राजस्थान हाई कोर्ट में याचिका दायर कर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, जिला कलक्टर सहित संवैधानिक पदों से भेजी जाने वाली उर्स की चादर पर रोक लगाने की मांग की है।

ये हिन्दू संगठन पहले भी बेबुनियाद दावेदारी कर चुका है:–अजमेर दरगाह में शिव मंदिर होने का दावा करने वाले हिंदू राष्ट्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने बुधवार (10 दिसंबर) को अजमेर न्यायालय में महत्वपूर्ण याचिका दायर की. उन्होंने उर्स के दौरान प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, जिला कलक्टर सहित संवैधानिक पदों से भेजी जाने वाली चादर पर रोक लगाने की मांग की है. गुप्ता का कहना है कि अल्पसंख्यक मंत्रालय खुद इस प्रकरण का एक पक्ष है और इसी वजह से उन्होंने न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की है.

अदालत ने सुनवाई के बाद आदेश रिजर्व रखा विष्णु गुप्ता के अनुसार अदालत ने मामले को गंभीरता से सुना और अपने आदेश को रिजर्व रख लिया है. गुप्ता ने कहा कि उर्स शुरू होने वाला है, ऐसे में यदि संवैधानिक पदों से चादर भेजी गई तो उनके प्रार्थना पत्र का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा और बाद में यह मामला सुनने का कोई औचित्य नहीं बचेगा. उन्होंने अदालत से शीघ्र निर्णय देने की अपील की है. गुप्ता ने बताया कि उन्हें अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश से सकारात्मक परिणाम की उम्मीद है।

मामला विचाराधीन है तो चादर चढ़ाना उचित नहीं

गुप्ता ने कहा कि जब तक दरगाह में शिव मंदिर होने का मामला अदालत में विचाराधीन है, तब तक किसी भी संवैधानिक पद से चादर चढ़ाना उचित नहीं है. उन्होंने दावा किया कि पीएम, सीएम और डीएम समेत कई संवैधानिक पदों से उर्स में चादर भेजने की तैयारियां हैं, जिससे उनके दावे को नुकसान पहुंचेगा. गुप्ता ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ख्वाजा साहब की 'भक्त श नहीं, बल्कि राजनीतिक परंपरा निभाने के लिए चादर भेजती है। फिलहाल अदालत के निर्णय का इंतजार है, जिससे अगली दिशा तय होगी।अजमेर दरगाह में चादररू पीएम मोदी के खिलाफ अर्जेंट सुनवाई की मांग, SC ठुकराई अजमेर शरीफ दरगाह में पीएम मोदी को चादर चढ़ाने से रोकने के लिए सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका डाली गई, लेकिन सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने इसपर तुरंत सुनवाई से मना कर दिया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू चादर चढ़ा भी आए।

गाजियाबाद में 'हिंदू रक्षा दल' खुलेआम तलवारें बांटने पर पुलिस का ऐक्शन पिंकी चौधरी समेत 16 पर FIR 10 गिरफ्तार

(गाजियाबाद/सदा ए बुलंद न्यूज) आज कल हमारे देश में कुछ संगठन डर भय का माहौल बनाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रहे हैं। कभी गाय की रक्षा के नाम पर आतंक फैलाते देखे जा रहे हैं और गवंतस्करी की तोहमत लगा कर लोगों को बड़ी बर्बता से हत्या भी कर रहे हैं। कहीं लव जिहाद के नाम पर कभी अपना धर्म खतरे में डालकर असले बांटने लगते हैं। कानून और प्रशासन ऐसे संगठनों से ये क्यूं नहीं पूछता कि देश कानून से चलेगा या इनकी गुंडा गर्दी से..? इन्हें किसने अधिकार दिया है कि ये अपने खुद के कानून बनाने लगते हैं। और हर जगह झुंड बनकर घुसकर किसी पर भी हमला बोल देते हैं और किसी के भी होटलों दुकानों को निशाना बनाकर हजारों लाखों का नुकसान कर रहे हैं। इनपर अंकुश कैसे लगेगा। इनके घरों पर बिल्डोजर कब चलेगा।

गाजियाबाद के शालीमार गार्डन में हिंदू रक्षा दल द्वारा खुलेआम तलवारें बांटने के मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है. आत्मरक्षा के नाम पर आयोजित इस कार्यक्रम के बाद 16 नामजद और कई अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज कर 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया हैगाजियाबाद के शालीमार गार्डन स्थित शहिंदू रक्षा दलश कार्यालय में संगठन के अध्यक्ष पिंकी चौधरी की मौजूदगी में आम लोगों को तलवारें बांटी गईं. इस कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदू समाज को आत्मरक्षा के लिए संगठित और तैयार करना बताया गया. मामला पुलिस के संज्ञान आने पर एक्शन लिया गया.

पुलिस ने सार्वजनिक रूप से हथियार वितरण का संज्ञान लेते हुए 16 नामजद और 25–30 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है. इस मामले में अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि अन्य की तलाश के लिए पुलिस टीमें जांच में जुटी हैं.

सावधान! शाहजहाँपुर में नक़ली नोट फैले हुए हैं

शाहजहांपुर का टायर व्यापारी रवि अरोड़ा निकला मास्टरमाइंड 3.24 लाख के जाली नोट बरामद

रिपोर्ट – काशिफ ख़ान (सदा ए बुलंद न्यूज) दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली करेंसी के एक सक्रिय रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर निवासी एक टायर व्यापारी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 3 लाख 24 हजार रुपये के नकली नोट बरामद किए गए हैं।

मुख्य आरोपी और भूमिकाएँ

दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के संयुक्त पुलिस आयुक्त सुरेंद्र कुमार ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में रवि अरोड़ा (टायर व्यापारी, शाहजहांपुर) इस पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड है। अन्य दो गिरफ्तार व्यक्ति में विवेक मौर्या शाहजहांपुर निवासी नकली नोट छापने का काम करता था। वहीं दिल्ली के विजयनगर निवासी राकेश अरोड़ा जाली नोटों को बाजार में खपाने वाला

ह।पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि विवेक मौर्या, जो शाहजहांपुर का रहने वाला है, वहीं पर नकली नोट छापने का काम करता था। विवेक ने पूछताछ में कुबूल किया है कि वह एक दिन में लगभग 30 से 40 नकली नोट प्रिंट कर लेता था। पुलिस के आकलन के अनुसार, यह गिरोह इस गति से एक महीने में करीब 6 से 7 लाख रुपये के नकली नोट तैयार कर लेता था। संयुक्त पुलिस आयुक्त के मुताबिक, मास्टरमाइंड रवि अरोड़ा अप्रैल माह से ही अपने साथी विवेक मौर्या के साथ मिलकर यह अवैध धंधा संचालित कर रहा था। गिरोह के तीसरे सदस्य राकेश अरोड़ा की भूमिका जाली नोटों को बाजार में उतारने की थी। राकेश 'फ्रंटलाइन वर्कर' के रूप में काम करता था। वह 5 हजार रुपये के असली नोटों के बदले 10 हजार रुपये की फेक करेंसी लेता था और उसे आगे लोगों तक पहुँचाता था। पुलिस टीम अभी इस मामले में और नकली करेंसी बरामद करने और गिरोह के अन्य सदस्यों तक पहुँचने के लिए जांच कर रही है।

संपादक की कलम से...

बहार मोहम्मद उर्फ शेख़ मौलाना शाही बहार-ए-आलम कादरी रिज़वी

हिन्दुस्तान का मुस्लमान शक के दाएरे में क्यों? क्या देश में मुस्लमानों की कुर्बानियाँ शामिल नही।

(सदा ए बुलंद न्यूज)

जब आतंकी हमलों की बात आती है तो भारत के खुफिया तंत्र और जांच एजेंसियों ने बार–बार इस्लामोफोबिक पूर्वाग्रह का प्रदर्शन किया है. सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज द्वारा किए गए शोध से पता चला है कि भारत के लगभग आधा पुलिस बल सोचता है कि मुसलमान में अपराध करने कि ष्स्वाभाविक प्रवृत्ती" है. टाटा ट्रस्ट के एक अध्ययन से पता चला है कि केवल तीन से चार प्रतिशत भारतीय पुलिस कर्मी मुस्लिम थे और यह संख्या पुलिस पदानुक्रम में और भी कम होने की संभावना है. टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ 2014 के एक साक्षात्कार में, मुंबई एटीएस प्रमुख हिमांशु रॉय ने स्वीकार किया कि उनकी टीम में केवल दो प्रतिशत मुस्लिम थे।

18 फरवरी 2007 को समझौता एक्सप्रेस की दो बोगियों में बम धमाका हुआ, यह रेल भारत और पाकिस्तान को जोड़ने वाले दो रेल संपर्कों में से एक थी. इन धमाकों में 68 लोग मारे गए थे, जिनमें से ज्यादातर पाकिस्तानी नागरिक थे. हरियाणा पुलिस ने शुरू में माना कि हमले के पीछे एक इस्लामी संगठन का हाथ है. इसने हमले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया, जिसका नेतृत्व विकास नारायण राय ने किया. एसआईटी ने जल्द ही ट्रेन से बरामद एक गैर–विस्फोटित बम को डिफ्यूज करना शुरू कर दिया और खोजी गई वस्तुओं की उत्पत्ति का पता लगाना शुरू कर दिया. उन्हें मिली लगभग हर वस्तु यानी जिस बैग में बम रखा गया था, अखबार और बम में इस्तेमाल की गई बैटरी, का संबंध मध्य प्रदेश के इंदौर से था. विस्फोट के बाद सबसे पहले जिन लोगों से पूछताछ की गई, उनमें सिमी महासचिव सफदर नागोरी थे. राय ने शुरू में तर्क दिया था कि इंदौर सिमी के संचालन के लिए बदनाम था लेकिन इंदौर हिंदू चरमपंथी संगठनों का भी एक प्रमुख केंद्र था।

राय ने मुझे बताया, "जब समझौता की घटना हुई, तो हमने भी सोचा कि किसी इस्लामी समूह ने इसे किया है, पुलिस में हममें से कुछ तुरंत इसको मान बैठे, जैसे मक्का मस्जिद मामले में भी हुआ था. ष्लगभग दस दिनों में, हमने महसूस किया कि यह इस्लामी आतंकवादी समूह के लोग नहीं थे.ष हरियाणा पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने मुझे बताया कि मध्य प्रदेश में स्थानीय पुलिस, जो बीजेपी शासित थी, उनकी मदद के लिए आगे नहीं आ रही थी. ष्जांच एक बिंदु से आगे ही नहीं बढ़ रही थी.''

समझौता हमले के डेढ़ साल बाद मध्य मालेगांव में खड़ी एक बाइक पर लगे बम में विस्फोट हो गया. दोबारा जांच के लिए एटीएस को बुलाया गया. इसका नेतृत्व उस समय हेमंत करकरे ने किया था, जिन्होंने पहले भारत की विदेशी–खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग में काम किया था. विस्फोट के एक दिन बाद करकरे और राज्य के उपमुख्यमंत्री आर आर पाटिल मालेगांव पहुंचे. उनका स्वागत न्याय से नाउम्मीद मुसलमानों ने विरोध और अविश्वास के बीच किया. इस स्वागत के बाद, करकरे ने इंडियन एक्सप्रेस से कहा, षमैंने अपने आदमियों से कहा कि हमें इस मामले को बहुत निष्पक्ष रूप से आगे बढ़ाना है और इस धारणा से शुरू नहीं करना है कि इस समुदाय या उस समुदाय के लोग जिम्मेदार हो सकते हैं.''

करकरे की टीम को अगले महीने इस मामले में पहला ब्रेक मिला. जिस एक मोटरसाइकिल में बम था उसका रजिस्ट्रेशन नंबर और चेसिस नंबर मिटा दिया गया था. नासिक में एक फोरेंसिक लैब ने पाया कि बाइक मूल रूप से साध्वी प्रज्ञा ठाकुर के नाम से पंजीकृत थी. उसे पूछताछ के लिए मुंबई में एटीएस कार्यालय आने के लिए कहा गया था, जिसके दौरान उसने बाद में आरोप लगाया कि उसे हिरासत में हिंसा का सामना करना पड़ा.

असीमानंद का नाम भी सामने आया. असीमानंद पहले आरएसएस की आदिवासी शाखा वनवासी कल्याण आश्रम का राष्ट्रीय प्रमुख था और यह नाम ठाकुर के साथ सबसे हाई–प्रोफाइल नामों में था, जो 2007 और 2008 में पांच राज्यों में सात बम विस्फोटों से जुड़ा था. इन्हें अभिनव भारत नेटवर्क ने कथित तौर पर अंजाम दिया था. इनमें कुल 119 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश मुस्लिम थे. मालेगांव विस्फोट में बम ठाकुर के नाम से पंजीकृत मोटरसाइकिल पर एक मस्जिद के बाहर रखा गया था. असीमानंद ने कथित तौर पर प्रशिक्षण शिविरों में भी भाग लिया था, जिसमें उसने और अन्य आरोपियों ने हमलों की योजना बनाई थी और बम बनाने और हथियारों का इस्तेमाल करना सीखा था।

अगले दो महीनों में, एटीएस ने दो और गिरफ्तारियां कीं रू सेना की खुफिया शाखा में लेफ्टिनेंट कर्नल एस पी पुरोहित और धर्मगुरु दयानंद पाण्डेय. गिरफ्तारी और ठाकुर के प्रताड़ना के आरोपों के बाद, आरएसएस और बीजेपी, जिन्होंने शुरू में संदिग्धों के साथ अपने संबंध से इनकार किया था, ने उनका बचाव करना शुरू कर दिया. शिवसेना ठाकुर को कानूनी सहायता देने पर सहमत हो गई, जो बीजेपी द्वारा समर्थित एक कदम था. 2009 के आम चुनाव में बीजेपी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार लालकृष्ण आडवाणी ने मांग की कि एटीएस टीम को बदला जाए और हिरासत में हिंसा के आरोपों की न्यायिक जांच की जाए।

करकरे अपनी जांच पर कायम रहे. ष्मुझे नहीं पता कि यह मामला इतना राजनीतिक क्यों हो गया है,ष उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस को बताया. ष्दबाव जबरदस्त है और मैं सोच रहा हूं कि इस सारी राजनीति से कैसे निकला जाए.ष उन्होंने कहा कि निष्कर्ष निकालते समय उनकी टीम दुगनी सावधानी बरत रही थी, लेकिन सभी सबूत एक तरफ इशारा करते हैं. "वास्तव में, जब हम किसी संदिग्ध से पूछताछ करना चाहते हैं और यदि उसके हिंदुत्ववादी संबंध हैं, तो हम एक बार, दो बार, तीन बार सुनिश्चित करते हैं कि हमारे पास उनसे सवाल करने के लिए पर्याप्त कारण और सबूत हैं. अमूमन ऐसा नहीं होता है, हम किसी पर भी संदेह करने के लिए और स्वतंत्र रूप से पूछताछ करने में सक्षम हैं.''

26 नवंबर के हमले में करकरे की गोली मार कर हत्या होने के बाद एटीएस के प्रयास रुक गए. इस संक्षिप्त अवधि में, एटीएस यह पता लगाने में सक्षम थी कि बमबारी हिंदू आतंकवादियों की एक बड़ी साजिश से जुड़ी थी और यह हो सकता था कि वही समूह इसी तरह के अन्य हमलों में भी शामिल था. 2006 और 2008 के मालेगांव विस्फोटों के साथ–साथ समझौता विस्फोटों की तीनों जांच–पड़ताल दो वर्षों से रुकी हुई थी।

जनवरी 2017 में एनआईए ने सिफारिश की कि ठाकुर को जमानत दी जाए. दो साल बाद, वह बीजेपी के टिकट पर सांसद चुनी गईं. ऐसी बहुत सी घटनाएं देश में गुमशुदा हैं जिसमें कोई भी घटना हुई मुसलमानों को शक के दायरे में पकड़ा गया और जेल भी भेजा गया कुछ साल बाद उच्च न्यायालय में उन्हें निर्दोष करार देते हुए बाइज्जत रिहा कर दिया।

पांच हिंदू उपद्रवियों ने मिर्जापुर की जामा मस्जिद में आग लगा दी:26 नवंबर को मिर्जा पुर मोची टोला मोहल्ले में स्थित जामा मस्जिद में मंगलवार की भोर में पौने तीन बजे पांच हिंदू उपद्रवियों ने आग लगा दी।

मस्जिद के रास्ते से घटना के समय पीरवाजी शहीद निवासी साहिल गुजर रहा था। वह मानसिक रूप से अस्वस्थ है। अपने भाई सागर की तलाश के लिए देर रात में निकला था। खोजबीन करने के बाद घर लौट रहा था। इस दौरान उसने मस्जिद में आग की लपट देखा। शोर मचाने के साथ ही मस्जिद में रहने वाले पेश इमाम जाहिद कादरी को आवाज देकर जगाया। दोनों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाया। साहिल ने बताया कि वह मौके से तीन युवकों को भागते हुए देखा। फजिर की नमाज के समय घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग जुट गए। आग से चौनल गेट, लकड़ी का दरवाजा और बाईं ओर स्थित हुजरे में दरी बुनने का कारखाना जल गया है। चौनल गेट पर तोड़फोड़ के निशान मिले। घटना की जानकारी मिलने पालिकाध्यक्ष मंसूर अहमद भी पहुंचे। एसडीएम राजेश वर्मा, चुनार कोतवाल विजय शंकर सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे थे।

सीसीटीवी कैमरे को खंगाला, पुलिस–पीएसी तैनात

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला। मस्जिद के बाहर पुलिस, पीएसी बल को तैनात कर दिया गया है। पुलिस को एक प्लास्टिक का झोला और एक जोड़ी चप्पल मौके पर मिला है। सीओ सदर अमर बहादुर ने बताया कि मामले में मस्जिद के मुतव्वली इकबाल उर्फ गुड्डू राईन की तहरीर पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ उपासना स्थल का अपमान करने और विस्फोटक पदार्थ का उपयोग कर उसे जलाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है।

देर शाम पुलिस ने पांचों आरोपी रंजीत सेठ निवासी मोची टोला, रोहित गुप्ता निवासी टेकौर, गणेश उर्फ कृष्णा निवासी गोला बाजार, प्रिंस मौर्या निवासी सद्दूपुर व रोशन निवासी गोला बाजार को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शराब के नशे में उन्होंने घटना को अंजाम दिया। सोचने की बात है कि आज तक ऐसी घटनाएं कभी भी सामने नहीं आई हैं जो देश में अब हर दिन मस्जिद मदरसों मजारातों मकबरों पर हमले हो रहे हैं। क्या बात यही पर खत्म हो जाती है कि पांच हिंदू उपद्रवियों ने पूरी मस्जिद जला दी और उन्हें सिर्फ शराबी कहकर साधारण सी सजा देकर बात रफा दफा कर दी जाए। आज योगी का बिल्डोजर कहां,वह जुमला कहां हैं जो मुसलमानों के लिए मुख्यमंत्री बोलते हैं,कि मिट्टी में मिला देंगे..... फलां भूल गया कि शासन किसका है.... जहन्नुम पहुंचा देंगे.... कहीं न कहीं तो हमारे देश का सौंदर्यीकरण का समीकरण बदलने की कोशिश जरूर की जा रही है। ये सोचना और समझना जरूरी है।

राशिद हुसैन खां
(जुगनू)
शाहजहांपुर।

नए साल पर...

बंधी रहे जीवन से आस.....

(सदा ए बुलंद न्यूज)

या सवेरा नए बरस का उतरे है
जब आंगन में।
नव चेतन संचारित हो जाए हर
इक तन मन में।।
गुजरे साल रहे जो असफल और
हुए जो लोग निराश।
उनको देना बड़ी सफलता बंधी
रहे जीवन से आस।।
अंधियारा जब हो धरती पर हम
चंदा बनकर दमकें।
सूरज जितना चमक रहा है
उतना ही हम भी चमकें।।
साल नया सबके जीवन में आए
यूंही बारंबार।
सब भेंटों का करें व्यक्त अपने प्रभु
की हम आभार।।
नए बरस के शुभ अवसर पर
कसम ये मिलजुल खाएं।
जग में सब ईश्वर के बंदे आपस
में भाई बन जाएं।।
बड़ों को देना भारी भेंटें छोटों को
अद्भुत उपहार।
राशिद जुगनू की अभिलाषा रहे
चौन से ये संसार।।

ट्रेन से टकराकर पांच लोगों की मौके पर दर्दनाक मौत .... एक पूरा परिवार खत्म हो गया

रिपोर्ट – खालिद ख़ान

(शाहजहांपुर सदा ए बुलंद न्यूज) जिले के रोजा थाना क्षेत्र अंतर्गत रोजा रेलवे स्टेशन के बाहरी इलाके में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। खुले (बिना फाटक वाले) रेलवे क्रॉसिंग को पार करते समय गरीब रथ एक्सप्रेस की चपेट में आने से दो पुरुष, एक महिला और दो बच्चों समेत कुल पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी लोग एक ही मोटरसाइकिल पर सवार थे।

पुलिस अधीक्षक अशोक द्विवेदी ने कहा , पीड़ित बिना फाटक वाले रेलवे क्रॉसिंग से गुजर रहे थे, तभी तेज रफ्तार ट्रेन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि सभी की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। मामले में राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक अशोक द्विवेदी मौके पर पहुंचे

और स्थिति का जायजा लेते हुए जीआरपी द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा की। मामले की आगे की जांच जारी है।

घटना बुधवार शाम करीब शाम को हुई जब रोजा थाना क्षेत्र के अटसलिया के पास एक रेलवे क्रासिंग पर एक ही बाइक पर पांच लोग सवार थे। जो मानव रहित क्रॉसिंग पार कर रहे थे । तभी ट्रेन की चपेट में आ गए

मृतकों में हरिओम, उनके साढू सेठपाल, सेठपाल की पत्नी पूजा और उनके दो बच्चे (बेटा और बेटी) शामिल है सभी लोग शहर में लगने वाली बुध की बाजार से सामान खरीदकर लौट रहे थे, तभी ट्रैक पार करते हुए बरेली से लखनऊ की तरफ जा रही गरीब रथ ट्रेन की चपेट में आ गए।

ट्रेन की चपेट में आते ही पांचों लोगों के चीथड़े उड़ गए। बाइक ट्रेन में फंसकर 500 मीटर तक घिसटती चली गई। सभी की मौके पर ही मौत हो गई।

रिपोर्ट – कामरान अली

(शाहजहांपुर रौजा/सदा ए बुलंद न्यूज) बुधवार की वह शाम रोजा जंक्शन के लिए कभी न भूलने वाली बन गई। पटरियों पर दौड़ती गरीब रथ एक्सप्रेस ने केवल पांच जिंदगियां नहीं छीनीं, बल्कि एक पूरा घर, एक पूरा भविष्य और दो मासूमों की हँसी हमेशा के लिए खामोश कर दी। रोजा जंक्शन की वह खुली नो मैन क्रॉसिंग एक बार फिर लहूलुहान हो गईकृजहां इंसानों की जान अब महज एक आंकड़ा बनती जा रही है।

शाम करीब 6:30 बजे, जब बाजार से लौटता एक परिवार घर की ओर बढ़ रहा था, किसी ने नहीं सोचा था कि यह सफर अंतिम होगा। एक ही बाइक पर सवार तीन बड़े और दो नन्हे बच्चे जैसे ही रेलवे ट्रैक को पार कर रहे थे तभी तेज रफ्तार गरीब रथ एक्सप्रेस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। पल भर में चीखें, धूल और फिर मौत का सन्नाटा। टक्कर इतनी भयावह थी कि शव पहचान में नहीं आ रहे थे।

'नन्हे हाथों में सपने थे, किस्मत में मौत'' चार साल की निधि और दो साल का सूर्या जिन्होंने दुनिया को ठीक से देखा भी नहीं थाः आज उसी जमीन पर बेसुध पड़े थे, जिस पर उन्हें खेलना था। मृतकों में हरी ओम पुत्र लालाराम सैनी, उनके साढू सेठपाल, सेठपाल की पत्नी पूजा और उनके दोनों मासूम बच्चे शामिल हैं। सभी जनपद लखीमपुर खीरी के निवासी थे और बुधवार बाजार से खरीदारी कर लौट रहे थे। 'रोता रहा स्टेशन, गूंजती रहीं चीखें'' हादसे के बाद स्टेशन परिसर में चीख–पुकार मच गई। कोई रो रहा था, कोई बेहोश हो गया। पटरियों पर खून फैला था और लोगों की आंखों में सवालकृ"इतनी मौतों के बाद भी क्या कुछ नहीं बदलेगा?" स्थानीय लोगों का कहना है कि इस रास्ते को वर्षों से बंद करने की मांग की जा रही है, लेकिन हर बार मौत के बाद कुछ देर की संवेदना और फिर वही खामोशी। यह हादसा नहीं, एक सोची–समझी लापरवाही है। जिस जगह यह दर्दनाक हादसा हुआ, वहां न फाटक है, न सिग्नल, न चेतावनी बोर्ड और न कोई सुरक्षा व्यवस्था। यह रास्ता मजबूरी में इस्तेमाल किया जाता हैकुऔर यही मजबूरी हर बार किसी न किसी की जान ले लेती है।

आस-पास(शाहबाद/हरदोई) रिपोर्टः वैभव श्रीवास्तव

कमालुददीन ने पाकिस्तान के सीने को रौंदा

(सदा ए बुलंद न्यूज) कमालुद्दीन का कमाल बात 30 अगस्त 1965 की है, ड्राइवर कमालुद्दीन मलेरकोटला पंजाब से ट्रक क्रमांक PNR 5317 में 90 बोरी गेहूं लादकर दिल्ली आ रहे थे, रास्ते मे सेना के जवानों ने उनके ट्रक को रोका और कहा कि पाकिस्तान से जंग छिड़ गई है, हमें आपके ट्रक और आपकी मदद चाहिए, कमालुद्दीन जी ने ट्रक में लदीं 90 बोरियां सड़क पर ही उतार दीं और ट्रक में गोला–बारूद भरकर सेना की मदद के लिए बॉर्डर की तरफ चल दिए, जंग करते हुए वे पाकिस्तान के सियालकोट सेक्टर पहुंच गए, पाकिस्तानी सैनिकों और तोपों को छकाते सेना का असलहा लेकर ऐसे गुजरते मानो जैसे किसी आम रास्ते से गुजर रहे हों, कई बार तो उन्होंने ट्रक पाकिस्तानी सैनिकों पर फिल्मी स्टाइल में चढ़ा दिए तो कई बार खुद गोला–बारूद चलाने लगे, सरकार ने ट्रक ड्राइवर कमालूद्दीन को सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ने के अदम्य साहस पर अशोक चक्र देकर सम्मानित किया था.

देश भक्त इसे कहते हैं ये भी एक मुस्लिम थे जिसने जंग के मैदान में कूद गए और लड़े भी डटकर!

रुफिया खान सहित 27 महिलाओं को प्रथम सम्मान

(शाहजहांपुर/सदा ए बुलंद न्यूज) सत्यम इंपीरिया मैरिज लॉन में अपने–अपने क्षेत्र में योगदान देकर दूसरों के लिए उदाहरण बनीं 27 महिलाओं को अमर उजाला प्रथमा–2025 सम्मान से नवाजा गया। इस दौरान अपनी काबिलियत के बल पर समाज में मुकाम हासिल करने वाली महिलाओं ने सामाजिक कार्यों की गति का संकल्प लिया।

इस सम्मान समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि तिलहर विधायक सलोना कुशवाहा और भोर फाउंडेशन की अध्यक्ष स्वाति सिंह ने दीप जलाकर किया। कंपोजिट विद्यालय अटसनिया की छात्राओं ने स्वागत गोत प्रस्तुत किया। इसके बाद शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि खेलकूद, महिला सुरक्षा आदि क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 27 महिलाओं को उनके योगदान के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव, विधायक सलोना कुशवाहा बीएसए दिव्या गुप्ता ने शॉल ओढ़ाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

सम्मानित होने वाली महिलाओं में डायट प्राचार्य सोनिया गुप्ता, जिला गाइड कैप्टन दीपिंदर कौर, जिला ट्रेनिंग कमिश्नर निखत परवीन, शिक्षिका माला सिंह, पल्लवी गुप्ता, पल्लवी वर्मा, तरन्नुम, रूफिया खान, रंजन यादव, रत्ना वर्मा, शिक्षा मित्र तेजपाल कौर, संस्थापक रानी लक्ष्मीबाई महिला विंग डॉ. नमिता सिंह, समाजसेवी मीरा सेठ, उपनिरीक्षक आसमा बेगम, पूर्व अध्यक्ष अल्लाहगंज नगर पंचायत चंद्रेश गुप्ता, समाजसेवी अल्पना श्रीवास्तव, डॉ. उषा चंद्र, समाजसेवी अनुज मिश्रा ब्लू उषा शुक्ला नंदनी कश्यप, क्रिकेटर वसुंधरा, प्रशील किसान अंजली मिश्रा जलालाबाद ब्लाक प्रमुख लता सिंह जो सैंड्स स्कूल की प्रधानाचार्य साक्षी रस्तोगी किड जोन इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्य मंतशा सिद्दीकी सम्मिलित रही।कार्यक्रम में डॉ. इरफान ह्यूमन, सचिन

हरदोई पुलिस लाइन में गरिमामय समारोह, सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों का सम्मान

(हरदोई/सदा ए बुलंद न्यूज) जनपद पुलिस लाइन में मंगलवार को एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें अपनी सेवाएं पूर्ण कर चुके नौ सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (पुलिस लाइन) श्री आलोक राज नारायण ने सभी सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके योगदान को नमन किया।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों को शॉल एवं श्रीमद्भगवद्गीता भेंट कर उनके दीर्घकालीन, निःस्वार्थ और समर्पित सेवा कार्य के लिए आभार व्यक्त किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ने अपने संबोधन में कहा कि सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों का अनुभव और सेवा भाव विभाग की अमूल्य धरोहर है, जिसने जनपद में कानून–व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई है।

समारोह में मौजूद अधिकारियों व कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त कर्मियों के उज्ज्वल भविष्य, स्वस्थ और सुखद जीवन की कामना की। हरदोई पुलिस की ओर से यह संदेश दिया गया कि विभाग अपने पूर्व कर्मियों के योगदान को सदैव सम्मान और कृतज्ञता के साथ स्मरण करता रहेगा।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोपी गिरफ्तार

हरदोई। थाना हरपालपुर पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से थाना हरपालपुर क्षेत्र में आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। जांच में सामने आया कि अभियुक्त वेदराम पुत्र बालादीन निवासी कस्बा व थाना हरपालपुर जनपद हरदोई तथा एक अन्य व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। इस संबंध में थाना हरपालपुर पर मुकदमा अपराध संख्या 409џ25 धारा 299џ196 बीएनएस एवं 67 आईटी एक्ट के तहत पंजीकृत किया गया।मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना हरपालपुर पुलिस द्वारा नामजद अभियुक्त वेदराम पुत्र बालादीन निवासी कस्बा व थाना हरपालपुर जनपद हरदोई को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक शमशेर अहमद एवं कांस्टेबल अनिल थाना हरपालपुर जनपद हरदोई शामिल रहे। पुलिस प्रशासन का कहना है कि सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर सख्त नजर रखी जा रही है और इस तरह की गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

एसपी हरदोई का ताबड़तोड़ एक्शन जारी महिला उप-निरीक्षक समेत 8 पुलिस कर्मी लाइन हाजिर

रिपोर्ट – ताहिर ख़ान

(हरदोई–सदा ए बुलंद न्यूज)हरदोई जनपद में अशोक कुमार मीणा द्वारा लापरवाह और भ्रष्ट पुलिस कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही का सिलसिला लगातार जारी हैद्य इसी क्रम में एसपी हरदोई ने गंभीर आरोपों में महिला उपनिरीक्षक सहित कुल आठ पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है इस बड़ी कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया हैद्य प्राप्त जानकारी के अनुसार पाली थाना क्षेत्र में तैनात महिला उप निरीक्षक आकांक्षा सिंह कांस्टेबल सुरेश शर्मा कांस्टेबल गुरजीत सिंह तथा हेड कांस्टेबल अंबुज तिवारी पर

गैंगस्टर एक्ट में जेल भेजने की धमकी देकर उगाही करने के गंभीर आरोप लगे थेद्यमामले की जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने पर एसपी हरदोई ने सभी संबंधित पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दियाद्य एसपी की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से जहां पुलिस विभाग में अनुशासन का सख्त संदेश गया है वही जनपद वासियों ने कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए उठाए गए इन कदमों की खुलकर सराहना की है।

निशुल्क नेत्र चेकअप एवं अस्पताल द्वारा निशुल्क बस सेवा का आयोजन

हरदोई/सदा ए बुलंद न्यूज

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अवध प्रांत सचिव राहुल सिंह फौजी के तत्वाधान में निशुल्क नेत्र चेकअप एवं अस्पताल द्वारा निशुल्क बस सेवा से अस्पताल ले जाकर आपरेशन करके वापस घर तक पहुंचाने तक की सुविधा युक्त कैंप का आयोजन हरदोई शहर के रेड क्रॉस सुसाइटी में आयोजित किया गया, जिसमें कुशल डॉक्टर टीम द्वारा चेकअप किया गया एवं ऑपरेशन कराने वाले मरीजों को अस्पताल ले जाया गया, संगठन के सभी पूर्व सैनिकों ने पूरा सहयोग किया, राहुल सिंह फौजी ने बताया कि सुसाइटी अध्यक्ष मिश्रा जी एवं हरदोई भा ज पा महिला जिला अध्यक्ष अलका गुप्ता जी मौके पर मरीजों से मिलने पहुंची, राहुल सिंह फौजी ने बताया कि लगभग 165

मरीजों का रजिस्ट्रेशन कर चेकअप किया गया जिसमें से115 को आपरेशन के लिए ले जाया गया, सही कहा गया है कि हर प्राणी मे ईश्वर का वास होता है इस लिए सभी की सेवा करो, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद हरदोई इसी प्रकार समाज एवं देश हित के लिए कार्य करता रहता है

शाहाबाद कोतवाली के सामने युवक ने आग लगा ली

पुलिस पर सुनवाई न करने के गंभीर आरोप

रिपोर्ट – वैभव श्रीवास्तव (हरदोई शाहाबाद/सदा ए बुलंद न्यूज)हरदोई जनपद के शाहाबाद क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई, जब शाहाबाद कोतवाली के सामने एक युवक ने आत्महत्या करने का प्रयास किया। युवक का आरोप है कि वह अपनी समस्या को लेकर लंबे समय से पुलिस के चक्कर काट रहा था, लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही थी। न्याय न मिलने से आहत होकर युवक ने यह खौफनाक कदम उठाया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक ने कोतवाली के सामने अपने ऊपर तेल डाल लिया और आत्मदाह करने का प्रयास किया। घटना के दौरान मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों में भी कुछ देर के लिए अफरा–तफरी मच गई। बाद में पुलिस ने हस्तक्षेप कर युवक को आत्महत्या करने से रोक लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।आत्महत्या का प्रयास करने वाले युवक की पहचान मोहल्ला चौक निवासी सोनी के रूप में की गई है। युवक का कहना है कि वह जिस मामले को लेकर कोतवाली आया था, उसमें पुलिस द्वारा लगातार टालमटोल की जा रही थी और उसकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था। बार–बार गुहार लगाने के बावजूद जब उसे न्याय की कोई उम्मीद नहीं दिखी, तो उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाने का प्रयास किया। घटना के बाद युवक को पुलिस अभिरक्षा में ले लिया गया है। हालांकि इस पूरे मामले ने पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल यह है कि यदि समय रहते युवक की शिकायत पर सुनवाई होती, तो क्या उसे इतना बड़ा कदम उठाने की नौबत आती?स्थानीय लोगों का कहना है कि यह घटना पुलिस–जन संवाद की कमी को उजागर करती है। वहीं पुलिस अधिकारियों का दावा है कि मामले की जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को देखा जाएगा। लेकिन फिलहाल यह घटना पुलिस की संवेदनशीलता और शिकायतों पर समय पर कार्रवाई को लेकर कई सवाल छोड़ गई है।

आखिरकार कब तक विकास देखने को मिलेगा..?

हरदोई शाहाबाद/सदा ए बुलंद न्यूज नगर पालिका शाहाबाद वार्ड नंबर 2 मोहल्ला मंगलीपुर रास्तों का अभी तक कोई कार्य नहीं हुआ जब की चुनाव के लगभग 2 वर्ष हो गए

है नहीं कोई रोड बन रही है और न ही नलों का कोई शुद्धि कारण हो पा रहा है।शाहाबाद नगर में तो जोड़ लिए गए यह गांव लेकिन विकास कहीं देखने को नहीं मिल पा रहा है सड़के टूटी है नाली टूटी है पानी बहे रहा है हैंडपंप खराब है ।आखिर कब तक इन मोहल्लो का सुंदरीकरण हो पाएगा।आने जाने वाले जनमानस को बहुत ज्यादा समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है ।नगर की शाहाबाद नगर पालिका बिल्कुल भी इन मोहल्लो की तरफ ध्यान नहीं दे रही है जिससे इन समस्याओं का समाधान हो सके जनमानस को आने–जाने में एक अच्छी सुविधा मिल सके

एक नज़र में

अब परिषदीय स्कूलों के शिक्षक आवारा कुत्तों की निगरानी भी करेंगे

(सदा ए बुलंद न्यूज/ अलीगढ़)अब परिषदीय स्कूलों के शिक्षक केवल बच्चों को पढ़ाते ही नहीं दिखेंगे, बल्कि सड़कों पर आवारा कुत्तों की खोज और प्रभावित स्थलों की गिनती करते हुए भी नजर आएंगे। शासन के आदेशानुसार, उच्चतम न्यायालय में दाखिल जनहित याचिका के अनुपालन में शहरी क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की पहचान, रोकथाम और नियंत्रण के लिए विभिन्न विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

शिव राम सिंह को सब-इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नति

रिपोर्ट– खालिद ख़ान (शाहजहांपुर सदा ए बुलंद न्यूज)जनपद शाहजहांपुर ट्रैफिक पुलिस में लंबे समय से सेवाएं दे रहे शिव राम सिंह जी को सब–इंस्पेक्टर (SI) पद पर पदोन्नति मिलने पर कोटि–कोटि बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं। आपका अनुशासित कार्यशैली, कर्तव्यनिष्ठा और सौम्य व्यवहार ही पहचान है। है कि आप ईमानदारी साथ सेवा प्रगति करें।

विभाग की ईश्वर से कामना इसी तरह और समर्पण के करते हुए निरंतर

मुसलमानों गांव छोड़ दो वरना जिन्दा जला दूंगा

नफरत की आग कहां से कहां तक आ गई

(बुलंदशहर/ सदा ए बुलंद न्यूज) उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के सिकंदराबाद क्षेत्र में मुसलमानों को खुलेआम धमकाने का मामला सामने आया है। इलाके में मुसलमानों के घरों के बाहर धमकी भरे पर्चे पाए गए हैं, जिनमें साफ तौर पर गांव छोड़ने की चेतावनी दी गई है। पर्चों में लिखा गया है कि यदि गांव नहीं छोड़ा गया तो उन्हें जिंदा जला दिया जाएगा। ककोड़ रोड स्थित गांव भोंखेड़ा में मुसलमानों के लगभग 10 से 12 परिवार निवास करते हैं।

बताया जा रहा है कि ये पर्चे गुलाबी रंग के हैं। पर्चे के एक तरफ ऊपर 'जय श्री राम' और दूसरी तरफ 'हर–हर महादेव' लिखा हुआ है। इसके साथ ही शिवाजी महाराज की तस्वीर भी लगाई गई है। पर्चे में मुसलमानों के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए लिखा गया है कि सभी लोग 24 घंटे के भीतर गांव खाली कर दें, अन्यथा उन्हें जिंदा जला दिया जाएगा। पर्चे के नीचे खुद को 'कट्टर सनातनी विक्रम' बताने वाले नाम का भी उल्लेख है।

फास्ट फूड खाने से हुई मौत

फास्टफूड खाने का शौक अमरोहा के 11वीं की छात्रा अहाना की जान पर भारी पड़ गया. चाऊमीन, मैगी, पिज्जा बर्गर खाने से उसकी आंतें खराब हो गईं, उनमें छेद हो गए. निजी अस्पताल में छात्रा का ऑपरेशन कराया गया. इसके बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका. दिल्ली एम्स में इलाज के दौरान रविवार की रात अहाना की मौत हो गई.

सदा ए बुलंद अखबार एजेंसी के कार्यालय का भव्य उद्घाटन

(हरदोई शाहाबाद/सदा ए बुलंद न्यूज)शुक्रवार को जिला हरदोई शाहाबाद अल्लाहपुर तिराहा में सदा ए बुलंद अखबार एजेंसी का जिला कार्यालय का भव्य उद्घाटन का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष व ओनर– प्रधान संपादक शेख़ मौलाना शाही मोहम्मद बहार ए आलम कादरी रजवी और मुख्य अतिथि सब– एसपी क्षेत्र अधिकारी आलोक राज नारायण (हरदोई) व डॉ इरफान ह्युमन ने अपने हाथों से फीता काट कर सदा ए बुलंद अखबार के कार्यालय का भव्य उद्घाटन किया। जिसमें पत्रकारों को संबोधित करते हुए सब–एसपी ने कहा कि पत्रकारिता ऐसी होनी चाहिए जो रुह से की जाए इसमें कोई पक्षपात नहीं होना चाहिए। इसी बीच प्रधान संपादक ने कहा कि हक़ बात लिखना दरख़्त लगाना है जिसकी छांव और फल का फायदा आने वाली नस्लें लेंगी, पत्रकारिता समाजवादी और समाज का आईना होनी चाहिए। इस शुभारंभ आयोजन में मुख्य अतिथि को शाल ओढ़ाकर माल्यार्पण करके स्वागत और अभिनन्दन किया गया। जिसमें सदा ए बुलंद अखबार के सलाहकार – डॉ इरफान ह्युमन जिला चीफ ब्यूरो ताहिर ख़ान और चीफ ब्यूरो – कदीर खान,वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद हनीफ खां, डॉ शाहिद अली, आलोक त्रिपाठी, आशीष कुमार मिश्रा,श्याम दीक्षित,रेहान दानाई, नासिर, आसिफ, वैभव श्रीवास्तव, खालिद ख़ान आदि लोग मौजूद रहे।

भाकियू (स्वराज) ने जरूरतमंदों को भोजन व कंबल वितरण किए

(हरदोई– सदा ए बुलंद न्यूज)जनपद हरदोई के थाना बेहटा क्षेत्र अंतर्गत मानपुर गांव में भारतीय किसान यूनियन (स्वराज) की एक महत्वपूर्ण श्रद्धांजलि एवं संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भाकियू (स्वराज) के जिला अध्यक्ष विद्यासागर यादव के नेतृत्व में आशाराम मेमोरियल इंटर कॉलेज, मानपुर में दिनांक 25 दिसंबर 2025 को संपन्न हुआ। यह आयोजन तहसील अध्यक्ष के पूज्य पिताजी की स्मृति में किया गया, जिसमें संगठन पदाधिकारियों और किसानों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद व गरीब लोगों को भोजन कराया गया, इसके पश्चात ठंड को देखते हुए कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मानवीय पहल को किसान संगठन की सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक बताया गया।

बैठक में भारतीय किसान यूनियन (स्वराज) के हजारों किसान कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान किसानों की समस्याओंकृफसल का उचित मूल्य, सिंचाई, बिजली, खाद–बीज, प्रशासनिक उदासीनताकृपर विस्तार से चर्चा हुई। जिला अध्यक्ष विद्यासागर यादव ने कहा कि किसानों की आवाज को मजबूती से शासन–प्रशासन तक पहुंचाया जाएगा और जब तक समाधान नहीं होगा, संगठन संघर्ष करता रहेगा।बैठक के दौरान संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से दो दर्जन से अधिक नए कार्यकर्ताओं को विभिन्न पदों पर मनोनीत किया गया, जिनका उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया। नव–मनोनीत कार्यकर्ताओं ने संगठन की विचारधारा के प्रति निष्ठा व्यक्त करते हुए किसानों के हित में संघर्ष करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन (स्वराज) के वरिष्ठ पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिनमेंमंडल अध्यक्ष अजय कुमार सिंह,मंडल उपाध्यक्ष राहुल सिंह फौजी,जिला अध्यक्ष विद्यासागर यादव,जिला महासचिव (प्रमुख) राहुल दीक्षित,जिला सचिव प्रमुख वैभव श्रीवास्तव,जिला उपाध्यक्ष प्रमुख मनोज दीक्षित तहसील अध्यक्ष सवायजपुर कृष्ण मोहन बाजपेई युवा मोर्चा तहसील अध्यक्ष आयुष सिंह सहित अन्य कई पदाधिकारी एवं किसान नेता शामिल रहे।

किताबों से दिलचस्पी रखिए ये इंसानियत का इल्म सीखाती हैं: शेख़ मौलाना शाही

आज की मीटिंग में अखबारों मैगजीन किताबों से जुड़ने के लिए जोर दिया गया

रिपोर्टः अनीस ख़ान (सदा–ए–बुलंद खीरी) अल मुश्किल कुशा ख़ानक़ाह नेशनल सोसायटी की जानिब से गढ़ी इब्राहीमपुर ग्राम जिला खीरी में दावत ए मदनी व ईमान ए बेदारी नुक्कड़ मीटिंग हुई इस मीटिंग में गांव के जईफ और नौजवान बढ़–चढ़कर शामिल हुए। मीटिंग में सदा ए बुलंद अखबार मैगजीन की टीम और राष्ट्रीय पत्रकार सेकुलर सुरक्षा यूनियन की टीम मौजूद रही इस बीच राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रधान संपादक–शेख़ मौलाना शाही मोहम्मद बहार ए आलम कादरी ने पब्लिक से मुखातिब होते हुए कहा कि आज हमारे देश के नौजवान अपना ज्यादातर समय मोबाइल में मनोरंजन और बेफुजूल विडियो रील में बर्बाद करने मे कसरत से जुटे हुए हैं। किताबों अखबारों मैगजीन से ज्यादा यू ट्यूब चौनल और गुगल पर भरोसा कर रहे हैं। जरुरी है कि सबसे ज्यादा अखबारों मैगजीन किताबों से रुचि और दिलचस्पी रखना चाहिए। आज मुसलमानों की हालत बुनियादी स्तर पर बहुत ज़्यादा ख़राब होती जा रही है। इसकी वजह यह है कि मुसलमानों के घरों में फैशन और जाहिलीयत का माश्अशरा का चलन ज्यादा होने लगा है शादी ब्याह वलीमा , मेजबानी सब कुछ आर्टिफिशियल हो गया है।आलिम ए दीन और उलमाओं से सारे राय मशविरे लेना छोड़ दिया है। यहां तक कि आलीम ए दीन की बुराईयां चुगली गीबत हसद बुग्ज करना शुरू कर दिया है । अल्लाह का डर खौंफ दिलों से निकाल दिया है। इसमें जो लोग अपने आप को पढ़ा लिखा कहते हैं वह भी जाहिलीयत और गुमराही के शिकार हो चुके हैं। सभी को सच्चाई और राह ए हक पर चलने की दावत दी गयी लोगों को सदस्यता दी गई। इस बीच राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीस खां, समाज सेवी नबी सलमान,इस्तिखार बेग,सबील खां, रिजवान बेग, सलीम बेग,मुंदन बेग,असीम बेग, सुबराती बेग, हाजी रिफाकत, मोहम्मद जुबैर, गुलफिकार बेग सैकड़ों लोग शामिल हुए

पाली पुलिस पर कपड़ा व्यवसायी से जबरन वसूली का आरोप

(पाली हरदोई–सदा ए बुलंद न्यूज)पाली थाना क्षेत्र में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। क्षेत्र के कपड़ा व्यवसायी मुस्लिम खां ने महिला उपनिरीक्षक आकांक्षा सिंह सहित तीन पुलिस कर्मियों पर जबरन सट्टेबाजी का आरोप लगाकर 20 हजार रुपये की वसूली करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंपा है।पीड़ित के अनुसार, 23 दिसंबर की शाम वह बरगद चौराहा स्थित अपनी दुकान के पास चाय की दुकान पर बैठे थे। इसी दौरान सफेद रंग की एक पुलिस गाड़ी, जिस पर "थाना पाली" लिखा था, मौके पर आकर रुकी। गाड़ी से महिला एसआई आकांक्षा सिंह, कांस्टेबल सुरेन्द्र शर्मा, कांस्टेबल गुरुजीत सिंह तथा एक अन्य अज्ञात कांस्टेबल उतरकर आए। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने कपड़ा व्यवसायी पर जबरन सट्टेबाजी में लिप्त होने का आरोप लगाया और दबाव बनाकर उससे 20 हजार रुपये की वसूली कर ली। पीड़ित का कहना है कि वह पूरी तरह निर्दोष है और उसके खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार हैं। घटना को लेकर स्थानीय व्यापारियों और आम नागरिकों में नाराजगी देखी जा रही है। पीड़ित ने अपनी शिकायत में सीसीटीवी फुटेज की जांच कराए जाने, निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय व कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

ماہِ رجب المرجب کی بے شمار فضیلتیں

(صدائے بُلند نیوز)

وجہ تسمیہ:۔ قمری تقویم (ہجری کیلنڈر) اسلامی سال کے ساتویں مہینہ کا نام رجب المرجب ہے اس کی وجہ تسمیہ یہ ہے کہ رجب ترجیب سے ماخوذ ہے اور ترجیب کے معنی تعظیم کرنا ہے۔ یہ حرمت والا مہینہ ہے اس مہینہ میں جدال وقتال نہیں ہوتے تھے اس لیے اسے ''الاصم رجب'' کہتے تھے کہ اس میں ہتھیاروں کی آوازیں نہیں سنی جاتیں۔ اس مہینہ کو ''اصب'' بھی کہا جاتا ہے کیوں کہ اس میں اللہ تعالیٰ اپنے بندوں پر رحمت و بخشش کے خصوصی انعام فرماتا ہے۔ اس ماہ میں عبادات اور دعائیں مستجاب ہوتی ہیں۔ دور جہالت میں مظلوم، ظالم کے لئے رجب میں بددعا کرتا تھا۔ (عجائب المخلوقات)

ماہ رجب کی فضیلت:۔ رجب ان چار مہینوں میں سے ایک ہے جن کو قرآن کریم نے ذکر فرمایا ہے: بارہ مہینے ہیں اللہ کی کتاب میں جب سے اس نے آسمان اور زمین بنائے ان میں چار حرمت والے ہیں یہ سیدھا دین ہے تو ان مہینوں میں اپنی جان پر ظلم نہ کرو''۔ (کنزالایمان)

سرکار غوث الثقلین رضی اللہ عنہ لکھتے ہیں کہ ''رجب کا ایک نام مطھر ہے۔ ''(غنیۃ الطالبین ص ۳۵۳) نبی کریم صلی اللہ تعالیٰ علیہ والہ وصحبہ وسلم نے ارشاد فرمایا:۔ رجب اللہ تعالیٰ کا مہینہ ہے اور شعبان میرا مہینہ ہے اور رمضان میری امت کا مہینہ ہے۔ (ما ثبت من السنۃ ص ۱۸۰) ایک اور جگہ نبی کریم صلی اللہ تعالیٰ علیہ والہ وصحبہ وسلم نے یوں ارشاد فرمایا:۔ رجب کی فضیلت تمام مہینوں پر ایسی ہے جیسے قرآن کی فضیلت تمام ذکروں (صحیفوں) کتابوں پر ہے اور تمام مہینوں پر شعبان کی فضیلت ایسی ہے جیسی محمد مصطفیٰ صلی اللہ تعالیٰ علیہ والہ وصحبہ وسلم کی فضیلت باقی تمام انبیائے کرام پر ہے اور تمام مہینوں پر رمضان کی فضیلت ایسی ہے جیسے اللہ تعالیٰ کی فضیلت تمام (مخلوق) بندوں پر ہے (ما ثبت من السنہ، ص ۱۸۳)

رجب کی خصوصی فضیلت اور واقعہ معراج شریف:۔ حدیث شریف کے مطابق ''رجب المرجب'' اللہ کا مہینہ ہے۔ یہی وجہ ہے کہ اللہ تعالیٰ جل مجدہ نے اپنے محبوب سید المرسلین صلی اللہ علیہ وآلہ وسلم کو اپنی حسن الوہیت و ربوبیت کی جلوہ گاہوں میں ستائیس (۲۷) رجب کی شب بلوا کر ''معراج شریف'' سے مشرف فرمایا۔ ستائیسویں شب میں آقائے دو جہاں علیہ الصلوۃ والسلام حضرت ام ہانی رضی اللہ تعالیٰ عنہا کے مکان (واقع بیت اللہ شریف کی دیواروں موسوم مستجار اور مستجاب کے کارنر رکن یمانی کے سامنے) میں تشریف فرما تھے اور یہیں حضرت جبرئیل امین علیہ السلام ستر یا اسی ہزار ملائکہ کی رفاقت میں رسول اکرم صلی اللہ علیہ وآلہ وسلم کی خدمت میں حاضر ہوئے تھے، اس موقع پر حضرت جبرئیل علیہ السلام اور حضرت میکائیل علیہ السلام کے ذمہ اللہ تعالیٰ نے یہ کام سونپے کہ میرے محبوب کو براق پر سوار کرانے کے لئے اے جبرئیل تمہارے ذمہ رکاب تھامنا اور اے میکائیل تمہارے ذمہ لگام تھامنا ہے۔

سند المفسرین امام فخر الدین رازی رحمۃ اللہ علیہ نے لکھا ہے، ''حضرت جبرئیل علیہ السلام کا براق کی رکاب تھامنے کا عمل، فرشتوں کے سجدہ کرنے سے بھی افضل ہے۔'' (تفسیر کبیر جلد دوم صفحہ نمبر ۳۰۱ مطبوعہ مصر)

مکتبہ حقانیہ پشاور کی بددیانتی:۔ امام رازی رحمۃ اللہ علیہ کی متذکرہ تفسیر کبیر کا حوالہ مصری نسخہ سے پیش کیا گیا ہے، جب کہ مکتبہ حقانیہ پشاور (جسے علمائے دیوبند کی سرپرستی حاصل ہے) نے تفسیر کبیر شائع کی ہے۔ اس کی جلد دوم میں عبارت میں تحریف کر کے یوں چھاپا ہے پہلی عبارت میں حضر جبرئیل علیہ السلام کی خدمت کو ''سجود ملائکہ سے افضل'' قرار دیا ہے، جب کہ تحریف و بددیانتی کے بعد، ''حضرت محمد مصطفیٰ صلی اللہ علیہ وآلہ وسلم کو حضرت جبرئیل سے افضل'' قرار دیا گیا ہے۔ حالانکہ یہ تو حقیقت ہے اس لئے کہ حضور علیہ الصلوۃ والسلام ''سید المرسلین'' ہے لہذا ''سید الملائکہ'' بھی ہیں حضرت جبرئیل سے افضل ہیں۔ اس میں کوئی کلام ہے ہی نہیں۔

جشن معراج النبی اور ہماری ذمہ داریاں اسلامی بھائیوں اور بہنوں! جس طرح ہم ماہ ربیع الاول شریف میں جشن عید میلاد النبی صلی اللہ علیہ وآلہ وسلم کا انعقاد کرتے ہیں ایسے ہی رجب شریف میں جشن معراج النبی صلی اللہ علیہ وآلہ وسلم کا انعقاد کریں مساجد و مدارس ہی نہیں بلکہ اپنے گھروں میں بھی چراغاں کریں، اجتماعات منعقد کریں، علمائے اہلسنّت کے مواعظ حسنہ (تقاریر) سننے کا اہتمام کریں، اپنے گھر میں اہل خانہ خصوصاً بچوں کو لے کر ادب کے ساتھ بیٹھ کر محفل منعقد کریں، بچوں کو بتائیں کہ آج کی شب آقائے دو جہاں صلی اللہ علیہ وآلہ وسلم لا مکاں کی اس منزل تک پہنچے جہاں مخلوق میں سے کسی کی رسائی نہیں اور بلا حجاب اللہ تعالیٰ کا دیدار عطا ہوا، اللہ تعالیٰ کی بے شمار نشانیوں کو ملاحظہ فرمایا، اللہ تعالیٰ جل شانہ کے اسماء صفات کی تجلیات کے ظہور کے مقامات و طبقات سے گذر کر ان ہی صفات سے متصف ہو کر اللہ تعالیٰ کی ذات وصفات

کے مظہر ہوئے، جنت و دوزخ کو ملاحظہ فرمایا، بعد از قیامت اور بعد از جزا سزا جو کچھ ہوگا آپ صلی اللہ علیہ وآلہ وسلم نے دیکھا اور یہ کمال اللہ تعالیٰ نے آپ کو ہمیشہ کے لیے عطا فرمایا، یعنی اللہ سبحانہ وتعالیٰ عزوجل نے ماضی و مستقبل (جو کچھ ہو چکا اور جو ہونے والا ہے) کا علم عطا فرمایا جسے شرعی اصطلاح میں علم ماکان و ما یکون کہتے ہیں۔ امت کے لیے شفاعت کا حق حاصل کیا، شب معراج میں انبیاء و مرسلین علیہم الصلوۃ والسلام اجمعین سے نہ صرف ملاقات کی بلکہ ان سب پر آپ اکی فضیلت واضح کرنے کے لیے امامت عظمیٰ و کبریٰ کا منصب آپ صلی اللہ علیہ وآلہ وسلم ہی کو عطا ہوا۔ نماز کی فرضیت کا حکم اللہ تعالیٰ عزاسمہ نے خاص اپنی حسن الوہیت و ربوبیت کی جلوہ گاہوں میں عطا کیا، اول پچاس نمازیں فرض ہوئیں پھر بتدریج کم ہوتے ہوتے پانچ باقی رہیں۔ نماز کی فرضیت و اہمیت سے بچوں کو آگاہ کریں۔ یہ بھی یاد رکھیں کہ معراج شریف کے سفر مقدس کے تین مرحلے ہیں۔

اول:۔ اسریٰ، یعنی مسجد حرام سے مسجد اقصیٰ تک۔

دوم: معراج۔

(حصہ اول)

یعنی مسجد اقصیٰ سے کہکشاؤں کا سفر آسمان اول تک۔

(حصہ دوم)

یعنی آسمان اول سے آسمان ہفتم اور سدرۃ المنتہیٰ تک۔

(حصہ سوم)

اعراج، یعنی سدرۃ المنتہیٰ (حضرت جبریل امین علیہ السلام کا مقام آخر) سے لے کر عرش و کرسی اور لامکاں، اللہ تعالیٰ جل شانہ کی حسن الوہیت، جمال ربوبیت اور جلال تقدس و تجرد کی جلوہ گاہ تک۔

خود بھی تلاوت قرآن کریں اور بچوں کو بھی: ترجمہ اعلیٰ حضرت علیہ الرحمہ کنز الایمان کے ساتھ قرآن مجید کی تلاوت کا عادی بنائیں۔ معراج شریف سے متعلق مضامین والی آیات مقدسہ، سورۃ الاسراء (بنی اسرائیل) اور سورۃ النجم کی تلاوت ضرور کریں۔ واقعہ معراج شریف سے متعلق بچوں کو بتائیں کہ یہ عقلوں کو دنگ کرنے والا سفر ایک لمحے میں ہوا۔

رجب میں شب بیداری اور قیام ماہ رجب کی پہلی، پندرہویں اور ستائیسویں شب میں بیدار رہنا اور عبادات میں مشغول ہونا چاہئے۔ نیز رجب کی پہلی جمعرات (نوچندی) کا روزہ رکھیں اور پہلی شب جمعہ میں قیام کریں۔ حضور اکرم نور مجسم صلی اللہ علیہ وآلہ وسلم نے ارشاد فرمایا، پہلی شب جمعہ کو فرشتے ''لیلۃ الرغائب'' (مقاصد کی رات) کہتے ہیں، جب اس رات کی اول تہائی گزر جاتی ہے تو تمام آسمانوں اور زمینوں میں کوئی فرشتہ ایسا باقی نہیں رہتا جو کعبہ یا اطراف کعبہ میں جمع نہ ہو جائے، اس وقت اللہ تعالیٰ تمام ملائکہ کو اپنے دیدار سے نوازتا ہے اور فرماتا ہے مجھ سے مانگو جو چاہو، فرشتے عرض کرتے ہیں اے رب! عرض یہ ہے کہ تو رجب کے روزہ داروں کو بخش دے، اللہ تعالیٰ فرماتا ہے میں انھیں بخش دیا۔ (غنیۃ الطالبین صفحہ ۳۶۲)

فاتحہ دیجئے (۳، ۶، ۲۲، ۲۱ اور ۲۷ رجب کی اہمیت) اعلیٰ حضرت امام احمد رضا قدس سرہ العزیز نے فرمایا کہ ? رجب کی تاریخ عرس خواجگان کے حوالہ سے معروف ہے۔ حضرت خواجہ عبدالرحیم مشرقی، حضرت خواجہ عبد الکریم مغربی، حضرت خواجہ عبد الرشید شمالی، حضرت خواجہ عبد الجلیل جنوبی رحمہم اللہ تعالیٰ اوتاد ہیں۔ ? رجب ان کی تاریخ وصال ہے۔ ? رجب کو ان کی فاتحہ دلائی جائے نیز حضرت امام محمد بن ادریس شافعی علیہ الرحمہ اور حضرت مولانا عبدالباری فرنگی محلی علیہ الرحمہ کو بھی فاتحہ میں شامل کیا جائے اور ان کے وسیلے سے دعا کی جائے یہ تاریخ اوراد و وظائف اور نقوش و تعویذات کے لیے بھی نہایت اہم ہے۔ ? رجب، حضرت سلطان الھند خواجہ غریب نواز قدس سرہ کی چھٹی شریف کے حوالہ سے دنیا بھر میں معروف ہے، اس تاریخ کو خصوصیت کے ساتھ خواجہ صاحب علیہ الرحمہ کی فاتحہ کا اہتمام کیا جائے اور اس میں ان کے سلسلہ کے تمام مشائخ (ماقبل اور مابعد) کو شامل کرنا چاہیے خصوصاً حضرت خواجہ حسن بصری، حضرت عمر بن عبد العزیز (مجدد اول)، حضرت مالک بن دینار، حضرت ابراہیم بن ادھم، حضرت امام مسلم اور حضرت امام نووی (شارح مسلم) رحمھم اللہ کو شامل کیجئے۔ ?? اور ?? رجب کو بھی شیرینی وغیرہ پر فاتحہ کا اہتمام کریں، خصوصاً ام المومنین سیدہ حفصہ بنت عمر فاروق، حضرت عباس، ام المومنین سیدہ زینب بنت جحش، ام المومنین سیدہ میمونہ، حضرت زید بن ثابت (جامع قرآن، حضرت عبد اللہ بن سلام، حضرت اسامہ بن زید بن حارثہ، حضرت امیر معاویہ، حضرت خواجہ اویس قرنی، حضرت امام جعفر صادق، حضرت امام موسیٰ کاظم، حضرت سلطان محمود غزنوی، حضرت امام قدوری، حضرت سید الطائفہ ابو القاسم جنید بغدادی، حضرت امام ابوعیسیٰ محمد ترمذی، حضرت امام علی برہان الدین حنفی قادری، حضرت حافظ موسیٰ پاک شہید چشتی، حضرت شاہ رکن عالم سہروردی ملتانی، حضرت شیخ المشائخ ابوالحسین احمد نوری، حضرت مفتی محمد تقدس علی خان، حضرت فقیہہ ملت مفتی محمد نور اللہ نعیمی، محدث اعظم پاکستان حضرت علامہ محمد سردار احمد صاحب لائکپوری، حضرت علامہ سید محمد دیدار علی شاہ الوری (خلیفہء اعلیٰ حضرت)، حضرت پیر عبد الرحیم بھرچونڈوی، حضرت پیر سید امین الحسنات مانکی، اعلیٰ حضرت سید شاہ علی حسین اشرفی جیلانی (شبیہہ غوث الاعظم)، حضرت سید سالار مسعود غازی، حضرت محدث اعظم سید محمد کچھوچھوی، حضرت پیر محمد حسن جان مجددی سرہندی، حضرت مفتی شاہ محمد مسعود (جد بزرگوار ڈاکٹر محمد مسعود احمد)، شیخ ابو الحسن شازلی، علامہ عبدالحکیم سیالکوٹی (جد اعلیٰ قطب مدینہ)، قاضی ثناء اللہ پانی پتی (صاحب تفسیر مظہری)، شاہ عبد القادر دہلوی اور خطیب پاکستان حضرت علامہ محمد شفیع اوکاڑوی علیہم الرضوان اجمعین۔

अविष्कार/ वाक़ियात

नहाने का साबुन का अविष्कार किसने किया

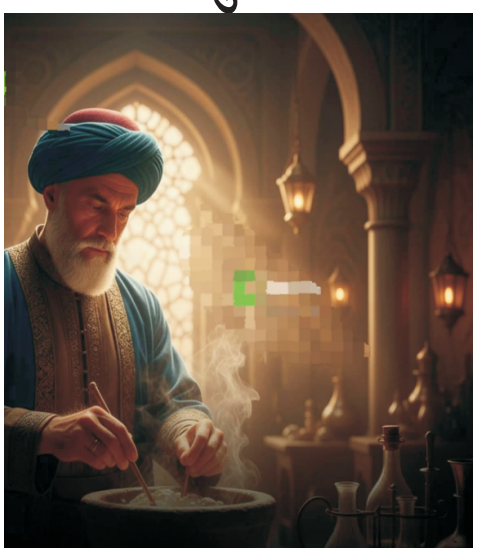

(इल्म ए चिराग –सदा ए बुलंद न्यूज) आमतौर माना जाता है कि साबुन एक आधुनिक या यूरोपीय खोज है, लेकिन इतिहास इससे बिल्कुल अलग कहानी कहता है। आधुनिक साबुन की बुनियाद मुस्लिम वैज्ञानिकों और रसायनज्ञों ने रखी थी, खासकर इस्लामी स्वर्ण युग (8वीं/13वीं सदी) में।प्राचीन सभ्यताओं में सफाई के लिए कुछ कच्चे पदार्थों का उपयोग होता था, लेकिन ठोस, खुशबूदार और त्वचा के लिए सुरक्षित साबुन सबसे पहले मुस्लिम दुनिया में विकसित हुए। 9वीं सदी के प्रसिद्ध मुस्लिम वैज्ञानिक अल–राजी ने रसायन विज्ञान (Chemistry) को एक व्यवस्थित विज्ञान बनाया और वसा यानी तेल) और क्षार (lkali) के सही अनुपात से साबुन बनाने के तरीके को वैज्ञानिक रूप दिया।

सीरिया का अलेप्पो शहर साबुन जो उस वक्त जैतून के तेल और लॉरेल ऑयल से बनाया जाता था, दुनिया का पहला हार्ड सोप माना जाता है। यह न केवल शरीर की सफाई के लिए बल्कि त्वचा रोगों के इलाज में भी इस्तेमाल होता था। बाद में यही तकनीक यूरोप पहुँची और वहीं से आधुनिक साबुन उद्योग ने जन्म लिया।

आज हम जिस साबुन को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में इस्तेमाल करते हैं, उसकी नींव मुस्लिम वैज्ञानिकों ने रखी थी। यह योगदान इस्लामी सभ्यता की उस विरासत का हिस्सा है, जिसने पूरी दुनिया को स्वच्छता और विज्ञान का रास्ता दिखाया।

बेटी का अपना ठिकाना

(सदा ए बुलंद न्यूज) पति दो दिनों के लिए दूसरे शहर जा रहा था, तो उसने पत्नी से कहा, ष्चलो, तुम्हें तुम्हारी अम्मी के घर छोड़ देता हूँ। अकेले घर में क्या करोगी, वैसे भी डरपोक हो।' वह खुशी–खुशी तैयार हो गई।जब वह पहुँची तो माँ के घर का दरवाजा खुला था। माँ–बाबा आँगन में बैठे अचार और चटनी के साथ रोटी खा रहे थे। सलाम–दुआ के बाद उसने हैरानी से पूछा, ष्अब्बा! आप तो कभी अचार–चटनी के साथ रोटी नहीं खाते थे, आज क्यों?'

अब्बा ने निवाला लेते हुए कहा, ष्बेटा, कभी–कभी खा लेनी चाहिए, मजेदार होती है। मुझे तो अब पता चला, मैं तुम्हें खामख्वाह तंग करता था।ष लेकिन बेटी ने अपने पिता की आँखों में छिपी बेबसी को भांप लिया था।

इतने में भाभी भी आँगन में आईं और मिलते ही पूछा, 'रहने आई हो?'उसने खुशी से कहा, 'जी भाभी, असद एक–दो दिन के लिए शहर से बाहर गए हैं, तो मुझे यहाँ छोड़ गए।'

भाभी ने सुनकर एक बनावटी (झूठी) हंसी हंसी और बोली, बैठो, तुम्हारे लिए चाय–पानी लाती हूँ।' उसने सोचा कि अम्मी–अब्बा के बर्तन समेट दे और भाभी की मदद भी करवा देगी, साथ ही भाई से भी मिल लेगी। वह बर्तन किचन में रखकर भाई के कमरे का दरवाजा खटखटाने ही वाली थी कि अंदर से भाई और भाभी की आवाजें सुनाई दीं।

भाभी कह रही थीं, 'तुम्हारी बहनें ब्याह तो दी गई

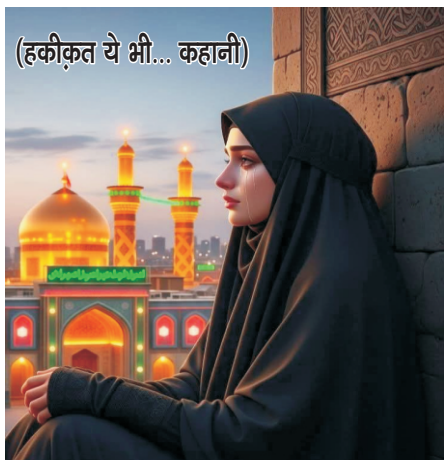

हैं, लेकिन अम्मी–अब्बा की चौखट नहीं छोड़तीं। जब जिसका दिल करता है, मुँह उठाकर बच्चों समेत चली आती हैं।' अंदर से भाई की आवाज आई, 'नेकबंदी! वो तेरा क्या खाती हैं? यहाँ नहीं आएंगी तो और कहाँ जाएंगी?'भाभी बोलीं, 'बस मुझसे नहीं होती तुम्हारे खानदान की खिदमत। माँ–बाप को खाना दे देती हूँ, यही अहसान समझो।'

यह सुनकर उसका शरीर जैसे सुन्न हो गया और आवाज गले में ही दब गई। वह उलटे पाँव वापस लौटने लगी। थोड़ी देर बाद फोन पर बात करने का नाटक करते हुए वह बाहर निकली और बोली, 'अच्छा अम्मी! आप लोग गाँव से आ गए हैं? पहले बता देते तो मैं अपनी सास की तरफ आती ही नहीं। चलिए, आप परेशान न हों, मैं अभी वापस आ रही हूँ। आप ऐसा करें, थोड़ी देर राबी आपी के घर बैठें।' अम्मी–अब्बा हैरान होकर बोले, 'बेटा, ये क्या बात हुई?'तो वह बोली, 'अब्बा जी, असद की अम्मी (सास) आई हैं तो उन्हें अकेले कैसे छोड़ दूँ? फिर आऊँगी इंशाअल्लाह, अभी इजाजत दें।' अपने आँसुओं को पीते हुए वह उन दोनों से मिली और अपने बाबुल की दहलीज पार कर गई। वापसी में उसे अपना एक–एक कदम भारी महसूस हो रहा था। वह अपने होंठों को भींचती हुई जा रही थी, जैसे खुद को हौसला दे रही हो।उसे फिर वह बात याद आई कि: 'फसलें जो काटी जाएं, फिर उगती नहीं हैं ।

बेटियाँ जो ब्याही जाएं, फिर मुड़ती नहीं हैं।'

बेशक मायका माँ–बाप से होता है, लेकिन कभी–कभी उनके होते हुए भी बेटियाँ बेबस हो जाती हैं। रात के खाने में उसे नमक ज़्यादा लग रहा था, जबकि वह नमक उसके गले से उतरते हुए आँसुओं का था।

एक सीख: यह कहानी हमें याद दिलाती है कि रिश्तों में संवेदनशीलता कितनी जरूरी है। कभी–कभी इंसान अपने ही घर में पराया हो जाता है।

मैं मुस्लिम नहीं हूं लेकिन मैं चाहती हूं मेरा बेटा इस्लाम कबूल करे.....

(इल्म ए दीन – सदा ए बुलंद न्यूज) एक फ्रांसीसी महिला अपने चौदह वर्षीय बेटे को लेकर फ्रांस के इस्लामिक सेंटर में आई ताकि उसका बेटा मुसलमान हो जाए। वे दोनों इस्लामिक सेंटर पहुँच गए। इस्लामिक सेंटर के नाजिम (मदरसे का प्रबंधन संभालने वाले) के ऑफिस में जाकर बच्चे ने मुलाकात की।

बच्चे ने कहा, 'मेरी माँ चाहती हैं कि मैं मुसलमान हो जाऊँ।'

इस्लामिक सेंटर के नाजिम ने बच्चे से पूछा, 'क्या तुम इस्लाम कबूल करना चाहते हो?'

बच्चे ने जवाब दिया, 'मैंने अभी तक इस पर गौर नहीं किया है, लेकिन मेरी माँ की इच्छा है कि मैं इस्लाम कबूल कर लूँ।'

नाजिम को बच्चे के इस जवाब पर बड़ी हैरानी हुई। उन्होंने बच्चे से पूछा, 'क्या तुम्हारी माँ मुसलमान हैं?'

बच्चे ने कहा, 'नहीं, और न ही मुझे यह मालूम है कि वह मुझे इस्लाम कबूल करने के लिए क्यों कह रही हैं।'

नाजिम ने पूछा, ष्तुम्हारी माँ कहाँ हैं?'

बच्चे ने कहा, ष्वह इस्लामिक सेंटर के बाहर के हिस्से में खड़ी हैं।'

नाजिम ने कहा, ष्अपनी माँ को बुला लाओ, ताकि मैं उनसे बात करके स्थिति जान सकूँ।'

बच्चा अपनी माँ को लेकर नाजिम के पास आया। नाजिम ने माँ से पूछा, 'क्या यह बात सही है कि आप मुसलमान नहीं हैं, और चाहती हैं कि आपका बेटा मुसलमान हो जाए?'

माँ ने कहा, 'यह बात बिलकुल सही है।'

नाजिम को इस जवाब पर बहुत हैरानी हुई। उन्होंने माँ से पूछा, 'आप ऐसा क्यों चाहती हैं कि आपका बेटा इस्लाम कबूल कर ले?'

माँ ने जो जवाब दिया वह हैरान कर देने वाला था। माँ ने बताया, 'मैं पेरिस के जिस फ्लैट में रहती हूँ, मेरे फ्लैट के सामने एक मुस्लिम परिवार का फ्लैट है। उनके दो बच्चे यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करते हैं। सुबह–शाम वे दोनों बच्चे घर से निकलते या घर में दाखिल होते वक्त अपनी माँ को ऊँची आवाज में सलाम करते हुए माँ की पेशानी चूमते हैं और हाथ को चूमते हैं, और बड़े आदर और अदब से अपनी माँ के साथ पेश आते हैं।

जैसे कि वह माँ किसी देश की प्रधानमंत्री (या रानी) हों। मैंने जब से यह दृश्य देखा है, मेरी दिली तमन्ना है कि मेरा बेटा भी मुसलमान हो जाए। वरना मुझे डर है कि जब मैं बूढ़ी हो जाऊँगी तो वह कहीं मुझे ओल्ड एज होम में न डाल दे। मैं चाहती हूँ कि वह मेरे साथ भी वैसा ही व्यवहार करे जैसा वह मुस्लिम माँ के बच्चे अपनी माँ के साथ करते हैं।'

निष्कर्ष:–

'इस्लाम एक बेहतरीन मजहब है। ज्ञान से ज़्यादा अमल (कर्म) देखकर लोगों ने इस्लाम को कबूल किया है।'

क्या मुस्लमान सिर्फ आपस में मसले फितने फसाद पैदा करने भर के रह गये हैं

(सदा ए बुलंद न्यूज)

एक दिन एक बादशाह का मस्जिद के सामने से गुजर हुआ। नजर पड़ी तो देखा मस्जिद की इमारत अपनी शान में बे–मिसाल, उसकी मीनारें आसमान से बातें कर रहीं, दीवारों पर नक्काशी ऐसी कि देखने वाला ठहर जाए। और ठीक उसी पल अजान की आवाज बुलंद हो रही थी रूह में उतरने वाली, दिल में हलचल पैदा करने वाली

मगर यह क्या? वो आवाज तो थी, पर आवाज सुनने वाला कोई नहीं मस्जिद के दरवाजे खुले थे, लेकिन सज्दे में झुकने वाला सर एक भी नहीं

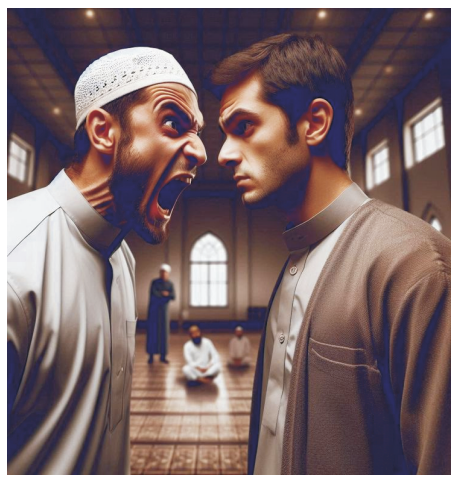

बादशाह का दिल तड़प उठा। उसने मस्जिद के मुअज़्ज़िन को बुलाया और कहारू 'एक बार और अजान दो!' मुअज़्ज़िन ने दोबारा अजान दी। अभी दूसरा कलिमा पूरा भी नहीं हुआ था कि लोग चारों तरफ से दौड़ते हुए मस्जिद के सामने इकट्ठा होने लगे सैंकड़ों, हजारों

लेकिन नमाज के लिए नहीं३.बल्कि इसलिए किरू 'दूसरी अजान क्यों दी गई?'हर जबान पर सवाल, हर हाथ में गुस्सा, दिलों में उत्तेजना, और बात झगड़े तक पहुँच गई

तब बादशाह ने सबको ख़ामोश किया और भीड़ को मुखातिब होकर कहा: 'पहली अजान भी हुई थी, जो दिलों को जगाने आई थी, मगर तुमने सुना नहीं दूसरी अजान भी वही थी, मगर इस बार झगड़े के शोर में तुमने उसे फौरन पकड़ लिया! लड़ाई और फितने के लिए तुम्हारे पास वक़्त है, ताक़त है, जोश है मगर अल्लाह के आगे सज्दा करने के लिए नहीं?'

फिर उसकी आँखें नम हो उठीं और आवाज भारी हो गईरू 'अफसोस! झगड़ों के लिए भीड़ जमा हो जाती है, लेकिन नमाज के लिए सफें खाली रह जाती हैं३ एक इंसानी भूल पर तुम लड़ पड़ते हो, लेकिन रब की पुकार पर तुम्हारा दिल नहीं पिघलता'

मजमा सन्नाटे में बदल गया लोगों पर शर्म की चादर उतर आई३ आज भी हमारी हालत कुछ ऐसी ही है३ मस्जिदें दिन में पाँच बार हिदायत का पैगाम देती हैं लेकिन हम सुन कर भी अनसुना कर देते हैं३पर जैसे ही मौलवी या मुअज़्ज़िन से कोई छोटी सी इंसानी चूक हो जाए हम उंगलियाँ उठाना, बहस करना, ऐब तलाशना शुरू कर देते हैं गौर करें तो हम लोगों से गलती निकालने में माहिर हो गए हैं३लेकिन अपनी नमाज की कमी और अमल की ख़ामियों पर नजर नहीं डालते। तुम्हें पांच वक्त मस्जिद में कामयाब होने के लिए बुलाया जाता है तुम हो कि अपनी मसरुफियत को कामयाबी समझते हो।

प्रेम जाल में फंसे अधिशाषी अभियंता, जयसिंह महिला स्टाफ की छुट्टियां रोकने का लगा गंभीर आरोप।

(सदा ए बुलंद न्यूज) लखनऊ/कार्यस्थल पर कर्मचारियों का उत्पीड़न और छुट्टी के आवेदनों को मनमाने ढंग से अस्वीकृत करना, विशेषकर महिला कर्मचारियों के लिए, एक गंभीर मुद्दा है जिस पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता। विभिन्न विभागों से ऐसी शिकायतें सामने आती रही हैं जहां अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग करते हुए कर्मचारियों को परेशान करते हैं।वहीं विद्युत भंडार खण्ड लेसा, लखनऊ इसका जीता जगता उदाहरण है बताया जाता है यहां अधिशाषी अभियंता के पद पर तैनात जयसिंह पर प्रेम प्रसंग का आरोप सामने आया गुप्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जयसिंह वहां पर महिलाओं को अपने प्रेमजाल में फसाने के लिए आए दिन नये जाल फेंकते रहते है जब खुद को विफल देखते हुए सभी कर्मचारियों को बदले में पीड़ित किया जाता है एवं इसीलिय अन्य कर्मचारियों को छुट्टी भी नहीं दी जाती है। एक न एक महिला कर्मचारी को कभी कभी महिला कर्मचारी को भी देर तक बिना किसी कार्य के रोके रहते है एवं रविवार को भी अवकाश में बुला लेते है और खुद भी किसी भी बैठे रहते। कभी भी किसी प्रकार के ऑफिस कार्य हेतु बाहर नहीं जाना अपने आप में एक गम्भीर मुद्दा है। आरोप है कि बात नहीं माता उसे कही दूर ट्रांसफर करा देने की धमकी देकर लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। बताते चले कि जयसिंह को विद्युत भंडार खण्ड लेसा का कार्यभार ग्रहण किए लगभग 2 वर्ष से अधिक हो गया इसलिए अब वहां पर नौकरी से तानाशाही पर आमादा हो गए।

अनेक कर्मचारियों, जिनमें महिला स्टाफ की संख्या अधिक है, का कहना है कि उन्हें अपने वैध एवं सार्वजनिक अवकाश के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है। आवश्यक पारिवारिक जिम्मेदारियों, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं या अन्य व्यक्तिगत कारणों से मांगी गई छुट्टियां अक्सर बिना किसी ठोस कारण के रोक दी जाती हैं या लटका दी जाती हैं। यह स्थिति कर्मचारियों में भारी असंतोष पैदा करती है।

भेदभाव और पसंदीदा व्यवहार आरोप यह भी लगते हैं कि कुछ अधिकारी अपने पसंदीदा कर्मचारियों को अनुचित लाभ देते हैं, जबकि दूसरों के साथ भेदभाव किया जाता है। इस तरह के पसंदीदा व्यवहार से कार्यस्थल का माहौल विषाक्त हो जाता है और कर्मचारियों का मनोबल गिरता है।उत्पीड़न और अनुचित व्यवहार से त्रस्त कर्मचारी अक्सर उच्चाधिकारियों से शिकायत करने का रास्ता अपनाते हैं। सेवा नियमावली और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम से संबंधित दिशा–निर्देशों (जैसे विशाखा गाइडलाइंस) के तहत ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई का प्रावधान है। कर्मचारियों का कहना है कि यदि इन मुद्दों पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया, तो उन्हें जुबान खोलकर आगे कहना पड़ेगा अभी तक महिला कर्मचारी एवं अन्य कर्मचारी यह बात गुप्त रखे हुए है।

कार्यस्थल पर सम्मानजनक और निष्पक्ष माहौल बनाए रखना आवश्यक है। अधिकारियों को अपने अधिकारों का प्रयोग जिम्मेदारी से करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी कर्मचारियों, विशेषकर महिलाओं के साथ समान व्यवहार किया जाए और उनकी वैध चिंताओं और आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जाए। ऐसे मामलों में उच्चाधिकारियों द्वारा त्वरित और निष्पक्ष जांच तथा कार्रवाई महत्वपूर्ण है। जिसे संज्ञान में आते ही अतिशीघ्र कराकर विभाग एवं कर्मचारियों की छवि को धूमिल होने से बचाया जा सकता है।

सहयोग संस्था ने कैंप का आयोजन कर चाय के साथ- साथ किया कंबलो का वितरण

रिपोर्ट – खालिद ख़ान

शाहजहांपुर/ सदा ए बुलंद न्यूज जनपद शाहजहांपुर की समाजसेवी संस्था सहयोग के पदाधिकारियो ने महानगर के सुभाष चंद्र बोस चौराहे पर कैंप लगाकर सभी राहगीरों को सर्दी से बचने हेतु गर्मा गर्म चाय पिलाई और साथ में कंबलों का वितरण भी किया । राहगीरों ने चाय पीकर ब कंबल प्राप्त कर संस्था के पदाधिकारियो को आशीर्वाद दिया , इस मौके पर कैंप की आयोजक संगीता गुप्ता ने कहा कि अच्छा करो तो अच्छा होगा , नर सेवा ही नारायण सेवा है , इसलिए हम जितने दिन के लिए भी इस दुनिया में आए हैं हम सभी को अच्छे कार्य अवश्य ही करने चाहिए । संस्था के संस्थापक अनिल गुप्ता प्रधान ब शाहनवाज खा एडवोकेट ने बताया कि पूरे सर्द मौसम में हमारी सहयोग संस्था की ओर से महानगर में लगातार इस तरह के कैंप का आयोजन किया जाएगा । कैंप के आयोजन में संस्था की , डायरेक्टर शालू यादव, सैय्यद अनवर,अध्यक्ष रजनी गुप्ता,महासचिव विकास सक्सेना, कोषाध्यक्ष महेंद्र दुबे , विधिक सलाहकार एडवोकेट सफीकुद्दीन अंसारी , सहित अंकुश गुप्ता,सरदार हरजीत सिंह,ममता यादव , राजेश ,बलवीर,सतीश,यशपाल सिंह,श्रीकांत दीक्षित,अनिरुद्ध,सागर, लड्डन अली,सबाब, सुधीर,आदि लोग मौजूद रहे ।।

मंत्री सुरेश खन्ना ने आज पुरुषोत्तम आदर्श कन्या इंटर का शिलान्यास किया

''विकल'' की अप्रकाशित कविताओं का संग्रह ''सिंहासन के इधर उधर'' का विमोचन एवं नवनिर्मित शिक्षण हहल का लोकार्पण किया।

रिपोर्ट: काशिफ ख़ान

शाहजहांपुर/ जलालाबाद सदा ए बुलंद न्यूज उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने आज पुरुषोत्तम आदर्श कन्या इंटर कालेज जलालाबाद के संस्थापक राष्ट्रीय कवि दादा राजबहादुर 'विकल' की अप्रकाशित कविताओं का संग्रह सिंहासन के इधर उधर का विमोचन एवं नवनिर्मित शिक्षण हॉल का लोकार्पण किया।कार्यक्रम से पूर्व मुख्य अतिथि सुरेश कुमार खन्ना का फूलमालाओं से स्वागत किया गया और कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा और राजबहादुर विकल के चित्र पर माल्यार्पण से हुई।

क्या आप को पता है मुँह की लार के हैरत अंगेज़ फ़ायदें

आपके मुंह की लार में ही छुपा है आपकी तंदरुस्ती का राज

आपको ये जानकारी होना बहुत जरूरी है कि जो हम आप खाना खाते पीते हैं। और जो हमारे मुंह में जीभ के नीचे एक स्पीड में लार निकलती है ये हमारे खाने में सबसे ज़्यादा ताकत पैदा करती है और हमारे खाने की पाचन शक्ति को बढ़ाती है। हजम करने में अपनी अहम् भूमिका निभाने में कारगर साबित होती है। हर व्यक्ति को जीभ के नीचे निकलने वाली लार को बर्बाद नहीं करनी चाहिए। सबके ज्यादा पुड़िया खाने वाले लोग इसको बर्बाद कर देते हैं क्योंकि वह हर वक्त मुंह में पुड़िया चबाते रहते हैं और थूकते रहते जिसके कारण सारी लार पुड़िया के साथ बाहर थूक देते इसकी वजह से उनके शरीर में मौजूद प्रोटीन कैल्शियम आयरन व विटामिन्स ख़त्म होने लगते हैं और और उनके शरीर में ख़ून की कमी हो जाती है चेहरे का ग्लोबल ख़त्म हो जाता है और वह कैंसर,टीबी,टायफायड जैसी बड़ी बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। लार शरीर के लिए बहुत ही बड़ी औषधि है।

इसमें औषधीय गुण बहुत अधिक है। किसी चोट पर लार लगाने से चोट ठीक हो जाती है। लार पैदा होने में एक लाख ग्रन्थियों का काम होता है। जब कफ बहुत बढ़ा हुआ हो तभी आप थूक सकते हैं अन्यथा लार कभी नहीं थूकना चाहिए। सुबह की लार बहुत क्षारीय होती है। इसका PH 8.4 के आस–पास होता है।पान बिना कत्था, सुपारी और जर्दे (तम्बाकू) का खाना चाहिए जिससे कि उसकी लार को थूकना न पड़े। कत्था और जर्दा कैंसर करता है इसलिए इसे लार के साथ अन्दर नहीं ले सकते हैं। गहरे रंग की वनस्पतियाँ कैंसर, मध् गुमेह, अस्थमा, जैसी बीमारियों से बचाती हैं। पान कफ और पित्त दोनों का नाश करता है। चूना वात का नाश करता है। जिस वनस्पति का रंग जितना ज्यादा गहरा हो वह उतनी ही बड़ी औषधि है।

देशी पान (गहरे रंग वाला जो कसेला हो) गेहूँ के दाने के बराबर चूना मिलाएं, सौंफ मिलाएं, अजवाइन डालें, लौंग, बड़ी इलायची, गुलाब के फूल का रस (गुलकन्द) मिलाकर खायें।

ब्रह्म मुहूर्त की लार अथवा सुबह उठते ही मुँह में जो लार होती है, वह बाकी के समय से ज्यादा फायदे–मन्द होती है। इसलिए सुबह उठते ही ये लार अन्दर जानी ही चाहिए।शरीर के घाव जो कि किसी दवा से ठीक नही हो रहे हों, उन परं सुबह उठते ही अपनी बासी मुँह की लार लगानी चाहिए। 15–20 दिन में घाव भरने लगता है और 3 महीने के अन्दर घाव पूरी तरह ठीक हो जायेगा। गैंगरिन जैसी बीमारी 2 साल में ठीक हो जायेगी। जानवर अपना सब घाव चाट–चाट कर ठीक कर लेते हैं।लार में वही 18 पोशक तत्व होते हैं जो कि मिट्टी में होते हैं। शरीर पर किसी भी प्रकार के दाग–धब्बे हो, सुबह की लार लगाते रहने से 1 साल के अन्दर सब ठीक कर देती है। एक्जिमा और सोराइसिस जैसी बीमारियों को भी सुबह की लार से ठीक कर सकते हैं। 1 साल के अन्दर परिणाम मिल जाते हैं।

सुबह की लार आँखों में लगाने से आँखों की रोशनी बढ़ती है और आँखों के चश्में उतर जाते हैं। आँखें लाल होने की बीमारी सुबह की लार लगाने से 24 घण्टे के अन्दर ठीक होती है। सुबह–सुबह की लार, आँखें टेढ़ी हो अर्थात आँखो में भेंगापन की बीमारी हो, को सही कर देती है।आँखों के नीचे के काले धब्बों के लिए रोज सुबह की लार (बासी) लगायें। सुबह उठने के 48 मिनट के बाद मुँह की लार की क्षारीयता कम हो जाती है।जितने भी टूथपेस्ट है सब एंटी–एल्क्लाइन है। इसमें एक केमिकल होता है, सोडियम लारेल सल्फेट जो लार की ग्रंथियों को पूरी तरह से सुखा देता है।नीम की दातून चबाते समय बनने वाली लार को पीते रहना चाहिए।

सर्दी में आपका शरीर ये लड्डू बना देंगे हिटर

यह जो सामग्री इस लेख में दिखाई गई है, वह गोंद के लड्डू (Gond ke Laddu) बनाने के लिए है। ये लड्डू अक्सर सर्दियों में या फिर महिलाओं को डिलीवरी के बाद ताकत देने के लिए बनाए जाते हैं। यहाँ पर इन सामग्री का उपयोग करते हुए गोंद के लड्डू की एक सरल रेसिपी हिंदी में दी गई है:

गोंद के लड्डू (Gond ke Laddu) बनाने की विधिः– आवश्यक सामग्री(ngredient)सामग्री (Ingredient) मात्रा (Quantity)गेहूँ का आटा (heat Flour) 300 ग्राम देसी घी (Desi Ghee) 400 ग्राम (या आवश्यकतानुसार) खांड/चीनी पाउडर (Powdered Sugar) 300 ग्राम (आप अपने स्वाद के अनुसार कम या ज़्यादा कर सकते हैं) गोंद (Edible Gum) 50 ग्राम मगज (Melon Seed) या कद्दू के बीज 50 ग्राम बादाम (Almond) 75 ग्राम (दरदरा कुटा हुआ) काजू (Cashe) 75 ग्राम (दरदरा कुटा हुआ) मखाना (Fox Nuts) 50 ग्राम किशमिश (Raisin) 25 ग्राम सोंठ पाउडर (Dry Ginger Powder) 1–2 चम्मच (Tea Spoons **बनाने की विधि (Method)** तलनाः एक कड़ाही में देसी घी गरम करें। जब घी मध्यम गरम हो जाए, तो थोड़ा–थोड़ा गोंद डालकर मध्यम आँच पर तलें। गोंद फूलकर पॉपकॉर्न जैसा हो जाएगा। तले हुए गोंद को निकालकर एक प्लेट में रखें और ठंडा होने पर हल्का–सा क्रश कर लें।) मेवों को भूनना (Nuts Roasting): बचे हुए घी में बादाम, काजू, मगज और मखाना डालकर हल्का सुनहरा होने तक या 2–3 मिनट तक भूनें।इन्हें निकालकर उसी प्लेट में रखें जहाँ गोंद है।मखाना को भी हल्का क्रश कर लें। आटा भूनना (Roasting the Flour)कड़ाही में बचा हुआ घी डालें (जरूरत हो तो और घी डालें) और गेहूँ का आटा डालकर मिलाएँ। आँच को धीमी से मध्यम रखें और आटे को लगातार चलाते हुए भूनें।आटे को तब तक भूनें जब तक उसका रंग हल्का सुनहरा (गोल्डन ब्राउन) न हो जाए और उसमें से अच्छी खुशबू न आने लगे। इसमें लगभग 15–20 मिनट लग सकते हैं।'

मिश्रण तैयार करनाः–जब आटा भुन जाए, तो आँच बंद कर दें और आटे को थोड़ा ठंडा होने दें (यह हल्का गरम रहना चाहिए)। अब इस भुने हुए आटे में तले हुए गोंद, भुने हुए मेवे, किशमिश और सोंठ पाउडर मिलाएँ। जब मिश्रण हल्का गरम हो, तब इसमें खांड या चीनी पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएँ। लड्डू बनाना (Shaping the Laddus) मिश्रण जब हल्का गरम हो, तभी अपनी हथेलियों की सहायता से इसके गोल–गोल लड्डू बना लें। सारे मिश्रण से लड्डू बनाने के बाद, इन्हें पूरी तरह ठंडा होने दें और फिर एक एयरटाइट कंटेनर (हवाबंद डिब्बे) में भरकर रखें। **जरूरी सुझाव गोंद तलनाः**– गोंद को हमेशा मध्यम आँच पर ही तलें, ताकि वह अंदर तक अच्छी तरह फूल जाए। **आटा भूननाः**– आटा अच्छी तरह से भुनना जरूरी है, वरना लड्डू का स्वाद कच्चा रह सकता है। **चीनी डालनाः**– चीनी पाउडर या खांड हमेशा मिश्रण के हल्का ठंडा होने पर ही मिलाएँ, वरना लड्डू कड़क हो सकते हैं।

The plight of minorities in India after the BJP came to power cannot be hidden.

There have been numerous attacks on the Muslim community and on mosques, madrasas, shrines and tombs.

USCIRF in reports–RECOMMENDED FOR COUNTRIES OF PARTICULAR CONCERN (CPC)

(World news - Sada e buland News)In 2024, religious freedom conditions in India continued to deteriorate as attacks and discrimination against religious minorities continued to rise. Prior to national elections in June, Bharatiya Janata Party (BJP) members, including Prime Minister Narendra Modi, propagated hateful rhetoric and disinformation against Muslims and other religious minorities to gather political support. Such

rhetoric fueled attacks on religious minorities that continued after the election, including vigilante violence, targeted and arbitrary killings,and demolition of property and places of worship. Authorities continued to exploit antiterror and financing laws, including the Unlawful

Activities Prevention Act (UAPA) and the Foreign Contribution Reg-

ulation Act (FCRA) to crack down on civil society organizations and

detain members of religious minorities, human rights defenders, and journalists reporting on religious freedom. The government also replaced its criminal code with new legislation, leaving religious minorities susceptible to targeting if it deemed them as "endangering the sovereignty, unity, and integrity of India."

In March, the BJP introduced rules for implementing the 2019 Citizenship Amendment Act (CAA), offering fast-track citizen-

ship to non-Muslim minorities fleeing Pakistan, Afghanistan and Bangladesh. Several individuals remained in detention under the

UAPA for peacefully protesting the CAA in 2019, including Umar Khalid, Meeran Haider, and Sharjeel Imam. In combination with the National Register of Citizens (NRC), requiring all residents to provide proof of citizenship, the CAA sparked fear among Muslim communities that the authorities may strip them of their citizen- ship—as in July, when Foreigners' Tribunals in Assam declared 28 Muslims "non-citizens" and sent them to deportation centers. Throughout the year, various authorities, including the Delhi Development Authority (DDA), facilitated the expropriation and demolition of places of worship, including the construction of Hindu temples atop razed mosques. Notably, in January, Prime Minister Modi led the consecration of the Ram Temple in Ayodhya, which stands on the ruins of the Babri Masjid that a Hindu mob demol-

ished in 1992. Following the consecration, attacks against religious minorities erupted across six states. Authorities also repeatedly violated Section 295 of India's Penal Code, which criminalizes the destruction or damage of houses of worship, by bulldozing Mus-lim-owned property including mosques deemed "illegal."

Authorities wielded discriminatory state-level anti-conversion laws and cow

slaughter laws to target religious minorities. In June and July, police in Uttar Pradesh detained 20 Christians, including four pastors, under accusations of violating the state's anti-con-

version law. In July, the Uttar Pradesh government tabled a bill to strengthen that law, expanding punishment for conversion to life imprisonment, allowing anyone to file a First Instance Report (FIR) against suspected violators, and making religious conversion a nonbailable offense. Uttar Pradesh's High Court subsequently sentenced Muslim cleric Kalim Siddiqui and 11 others to life in

prison for allegedly participating in forced conversions. Addition- ally, Uttarakhand passed a Uniform Civil Code (UCC) Bill requiring registration and allowing for greater policing of interfaith couples. The Indian government also continued to expand its repressive tactics to target religious minorities abroad, specifically members of the Sikh community and their advocates. Journalists, academics, and civil society organizations documenting India's religious freedom violations reported denial of consular services, including the revocation of Overseas Citizen of India (OCI) cards as well as threats of violence and surveillance. International reporting and intelligence from the

Canadian government corroborated allegations linking an official in India's Research and Analysis Wing (RAW) and six diplomats to the 2023 assassination attempt of an American Sikh activist in New York.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं प्रधान सम्पादक
बहार मोहम्मद
द्वारा लव-कुश प्रिंटर्स, बाड़ूजई पेशावरी (आदर्श नगर कालोनी) शाहजहांपुर-242001 से मुद्रित एवं 2, नियर पक्का तालाब बरादरी जिला शाहजहांपुर (उ.प्र.) 242001 से
प्रकाशित एवं वितरित प्रधान सम्पादक **बहार मोहम्मद**
मो0 नम्बर 9565100392-9453556135
sadaebulandmgzn@gmail-com
नोट- समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र शाहजहाँपुर (उ.प्र.) होगा।